E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

12th ANNIVERSARY

वर्ष -12 अंक - 38 | प्रयागराज, बुधवार 15 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिकी नाकाबंदी के बीच चीनी टैंकर ने होर्मुज पार किया,दावा- ईरान का 5 साल परमाणु प्रोग्राम रोकने का प्रस्ताव था, अमेरिका 20 साल पर अड़ा

तेहरान। अमेरिका की नाकाबंदी के बीच 'रिच स्टार्री' नाम

का एक चीनी टैंकर होर्मुज पार कर फारस की खाड़ी से बाहर निकल गया है। शिपिंग डेटा के मुताबिक, नाकाबंदी लागू होने के बाद ऐसा करने वाला यह पहला जहाज है। टैंकर और इसकी मालिक कंपनी पर पहले से ही अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। डेटा के मुताबिक, जहाज में करीब 2.5 लाख बैरल मेथनॉल लदा था, जिसे यूएई के हमरिया पोर्ट से लोड किया गया था। इस बीच न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान में हुई वार्ता में ईरान ने 5 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन अमेरिका 20 साल की शर्त पर अड़ा रहा। इस असहमति के कारण दोनों देशों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका। रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसके तुरंत बाद अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी बंदरगाहों की सैन्य नाकाबंदी शुरू कर दी। अमेरिकी सेना ने कहा कि ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों को रोका जाएगा, हालांकि अन्य देशों के जहाजों को गुजरने की अनुमति दी जाएगी।रूस ने ईरान का संवर्धित यूरेनियम अपने पास रखने का प्रस्ताव दिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यह ऑफर अभी भी खुला है, लेकिन इस पर अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। रूस ने कहा कि वह इस संकट को कम करने और अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने में सहयोग करना चाहता है। माना जा रहा है कि अगर ईरान अपना संवर्धित यूरेनियम रूस को सौंपता है, तो इससे अमेरिका की चिंताएं कम हो सकती हैं और परमाणु समझौते का रास्ता आसान हो सकता है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- ट्रम्प की धमकी- डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी कि जो भी ईरानी जहाज अमेरिकी नाकाबंदी के पास आएगा, उसे तुरंत और सख्ती से तबाह कर दिया जाएगा। भारतीय जहाजों की मदद- ईरान ने कहा कि वह भारत के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकालने में मदद करेगा, बातचीत जारी है। ट्रम्प से बहस से इनकार- पोप लियो ने ट्रम्प से बहस से इनकार करते हुए कहा कि उनका काम राजनीति नहीं, बल्कि दुनिया में शांति फैलाना है। ईरान की चेतावनी- ईरान ने चेतावनी दी कि अगर उसके बंदरगाहों पर हमला हुआ, तो फारस की खाड़ी और ओमान सागर में कोई भी पोर्ट सुरक्षित नहीं रहेगा। फिर सीजफायर वार्ता की उम्मीद- पाकिस्तान ने उम्मीद जताई कि अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर वार्ता फिर शुरू हो सकती है और अगली मीटिंग में कोई ठोस नतीजा निकल सकता है।

महिला आरक्षण पर पीएम की महिलाओं के नाम चिट्ठी- 'भारत की बेटियों से उनके हक के लिए सालों तक इंतजार करने को नहीं कह सकते'

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार देश की महिलाओं के नाम एक लेटर लिखा है। इसमें मोदी ने कहा कि अगर 2029 में लोकसभा और अलग-अलग विधानसभाओं के चुनाव महिलाओं के लिए पूरे आरक्षण के साथ होते हैं, तो भारतीय लोकतंत्र और भी ज्यादा मजबूत और जीवंत हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जब महिलाएं कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही हैं, तो यह बिल्कुल सही है कि विधायी संस्थाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े। भारत की बेटियों से उस चीज के लिए हमेशा इंतजार करने को नहीं कहा जा सकता, जो उनका हक है। एक्स पर एक पोस्ट में मोदी ने लिखा- 'यहां भारत की 'नारी शक्ति' के नाम मेरा पत्र है, जिसमें मैं उस वादे को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता दोहरा रहा हूं, जो दशकों से लंबित था। मैंने अपने साथी नागरिकों के साथ उस संकल्प को जल्द ही साकार करने के विषय पर अपने विचार साझा किए हैं।' पीएम मोदी का लेटर 3 पॉइंट्स में- जब महिलाएं कई क्षेत्रों में बेहतरीन काम कर रही हैं, तो यह बिल्कुल सही है कि विधायी संस्थाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े। 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए पूरे आरक्षण के साथ होते हैं, तो लोकतंत्र और भी ज़्यादा मजबूत हो जाएगा। मैं आपसे आग्रह करता

हूं कि अपने स्थानीय सांसदों को पत्र लिखें और इस ऐतिहासिक संसद सत्र में हिस्सा लेते समय उनका हौसला बढ़ाएं। सितंबर 2023 में संसद ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पास किया गया था, जिसे आम तौर पर 'महिला आरक्षण अधिनियम' के नाम से जाना जाता है। यह विधायी संस्थाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम था। इस अधिनियम में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान किया गया था। मौजूदा कानून के तहत, महिलाओं के लिए आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो पाता, क्योंकि यह 2027 की जनगणना के बाद परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने से जुड़ा हुआ था। इसे 2029 के लोकसभा चुनावों से लागू करने के लिए, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में बदलाव की जरूरत थी; इसलिए, सरकार कानून में संशोधनों को पारित करने के लिए एक विशेष सत्र आयोजित कर रही है। सरकार ने दो बड़े संशोधनों की योजना बनाई है, जिसमें एक अलग परिसीमन विधेयक भी शामिल है। महिलाओं के लिए रिजर्वेशन तय करने के लिए इन दोनों विधेयकों को संवैधानिक संशोधन के तौर पर पारित किया जाना जरूरी है। मौजूदा स्थिति को बरकरार रखते हुए, ओबीसी आरक्षण के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है, जबकि एससी/एसटी आरक्षण पहले की तरह ही जारी रहेगा। जब 'महिला आरक्षण अधिनियम' में संशोधन पास हो जाएंगे तो यह सुनिश्चित होगा कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़कर 816 हो जाएगी, जिनमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान 2023 में संविधान में संशोधन करके लाया गया था।

भाजपा का तमिलनाडु के लिए घोषणापत्र

महिलाओं को हर महीने रु2,000 और सालाना 3 एलपीजी सिलेंडर फ्री का वादा, बंगाल में राहुल की सभा

कोलकाता/चेमई। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को चेन्नई में भाजपा का तमिलनाडु चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी किया। महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए और सालाना तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया है। इसके साथ ही प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपए देने का वादा किया है। घोषणा-पत्र में पात्र महिलाओं को ई-स्कूटर खरीदने के लिए 25,000 रुपए की सब्सिडी, जल्लीकट्टू के सांडों का पालन-पोषण करने वालों को 2,000 रुपए की मासिक सहायता देने का भी ऐलान किया है। राहुल गांधी मंगलवार को प. बंगाल के रायगंज पहुंचे। रैली में उन्होंने कहा कि आरएसएस और बीजेपी वोट चोरी में शामिल हैं और लोकतंत्र को नष्ट कर रहे हैं। इनकी नफरत भरी सोच संविधान को नष्ट कर रही है। इसके बाद राहुल मुर्शिदाबाद के समसेरगंज और मालदा जिले के चंचल में रैलियां करेंगे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शाम को तमिलनाडु में कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित करेंगे। कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों के लिए चुनाव आयोग ने बंगाल के वोटरों के लिए सातों दिन/सप्ताह हेल्पलाइन और ईमेल सुविधा शुरू की है। आयोग ने बताया कि टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर-18003450008 और Qfreeandfairpolls@gmail.com पर ईमेल के जरिए लोग अपनी शिकायतें भेज सकते हैं। यह दोनों सुविधाएं 4 मई तक जारी रहेंगी। चुनावी राज्यों में आज के बड़े अपडेट्स-भाजपा ने तमिलनाडु के लिए घोषणापत्र जारी किया। महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए, सालाना तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर और पात्र महिलाओं को ई-स्कूटर खरीदने के लिए 25,000 रुपए की सब्सिडी का वादा किया। राहुल गांधी ने बंगाल के रायगंज में कहा कि आरएसएस और बीजेपी वोट चोरी में शामिल हैं और लोकतंत्र को नष्ट कर रहे हैं। भाजपा और नरेंद्र मोदी ने एक नई राजनीतिक व्यवस्था बनाई है। इसमें पार्टी का सारा पैसा एक ही जगह रखा जाता है। यह जगह है अडाणी कंपनी। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट किया- जब तक मैं जिंदा हूं, तब तक इस भूमि और यहां के लोगों को कोई नुकसान नहीं होने दूंगी। मैं बंगाल और यहां के हर व्यक्ति की रक्षा के लिए आखिरी सांस तक लड़ूंगी।

ट्रम्प-पुतिन के समर्थन के बावजूद हंगरी में चुनाव हारे ऑर्बन,16 साल बाद सत्ता से बाहर

वॉशिंगटन डीसी। विक्टर ऑर्बन हंगरी का प्रधानमंत्री चुनाव हार गए हैं। वे 16 साल से सत्ता में थे। विपक्षी तिस्ज़ा पार्टी के पीटर

मग्यार अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। मग्यार पहले ऑर्बन की पार्टी फिदेस से जुड़े थे, लेकिन पार्टी में भ्रष्टाचार के खिलाफ उनसे अलग हो गए थे। ऑर्बन दुनिया के गिने-चुने नेताओं में हैं, जिनकी करीबी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइली पीएम बैंजामिन नेतन्याहू से है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, इस बार के चुनाव में करीब 80फीसदी रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। नतीजों को बड़े राजनीतिक उलटफेर के रूप में देखा जा रहा है। इसका असर यूरोप और ग्लोबल राजनीति पर पड़ेगा। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने 7 अप्रैल 2026 को हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट का दौरा किया। उनका यह दौरा काफी चर्चा में रहा, क्योंकि यह हंगरी के संसदीय चुनाव से सिर्फ पांच दिन पहले हुआ था और इसे प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन के समर्थन के तौर पर देखा गया।अमेरिकी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब कोई मौजूदा उपराष्ट्रपति दूसरे देश जाकर किसी खास नेता के पक्ष में चुनाव प्रचार करता नजर आया हो।तिस्ज़ा पार्टी की 138 सीटों के साथ बड़ी जीत-बीसीसी के मुताबिक, शुरुआती नतीजों में तिस्ज़ा पार्टी ने 199 में 138 सीटों पर जीत दर्ज की है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

पेट्रोल रु18 और डीजल रु35 महंगा हो सकता है,बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव के बाद बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से पेट्रोल रु18 और डीजल रु35 प्रति लीटर

तक महंगा हो सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर हैं। इससे कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद कंपनियां दाम बढ़ा सकती हैं। कच्चा तेल महंगा होने से कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए का घाटा हो रहा है। पिछले महीने के पीक पर ये तीनों कंपनियां हर दिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेल रही थीं। एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर 1,600 करोड़ रुपए रह गया है। हर 10 डॉलर के उछाल से नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर बढ़ जाता है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से 45फीसदी मिडिल ईस्ट और 35फीसदी रूस से आता है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल तेल कंपनियों, बल्कि देश के चालू खाता घाटे के लिए भी खतरा हैं। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह घाटा बढ़कर 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। सरकारी राजस्व में तेल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी का योगदान लगातार कम हो रहा है। वित्त वर्ष 2017 में यह 22फीसदी था, जो अब घटकर सिर्फ 8फीसदी रह गया है। अगर सरकार पूरी एक्साइज ड्यूटी हटा भी दे, तो भी मौजूदा कीमतों पर तेल कंपनियों का घाटा पूरी तरह खत्म नहीं होगा। अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमतें अगस्त 2022 के बाद पहली बार 4 डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंच गई हैं। वहीं पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका सहित कई पड़ोसी देशों ने भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा किया है।

अमेरिका बातचीत नहीं,शर्तें थोपना चाहता है,उनकी नीयत पर शक- ईरान

तेहरान। ईरान ने अमेरिका पर बातचीत के बजाय शर्तें थोपने का आरोप लगाया है। भारत में ईरान

के सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि अमेरिका की मंशा शुरू से ही संदिग्ध रही है। अयोध्या में दिए बयान में इलाही ने कहा कि अमेरिका बातचीत नहीं करना चाहता, बल्कि दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफ अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की बात करता है, वहीं दूसरी तरफ वहां नाकाबंदी कर रहा है। इलाही ने कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता और शांति का समर्थन करता है, लेकिन अमेरिका का रवैया इसके विपरीत है। दूसरी तरफ अमेरिका और ईरान के बीच पीस डील को लेकर गुरुवार तक दूसरी बैठक होने की संभावना है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देश आमने-सामने बातचीत के जरिए समाधान तलाशने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि बढ़ते तनाव को खत्म किया जा सके। बैठक के लिए इस्लामाबाद और जेनेवा संभावित स्थान हैं, हालांकि तारीख और जगह पर अंतिम फैसला होना बाकी है। इससे पहले इस्लामाबाद में हुई पहली बैठक 11 अप्रैल को बिना किसी समझौते के खत्म हो गई थी। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-ट्रम्प की धमकी- डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी कि जो भी ईरानी जहाज अमेरिकी नाकाबंदी के पास आएगा, उसे तुरंत और सख्ती से तबाह कर दिया जाएगा। भारतीय जहाजों की मदद- ईरान ने कहा कि वह भारत के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकालने में मदद करेगा, बातचीत जारी है। ट्रम्प से बहस से इनकार- पोप लियो ने ट्रम्प से बहस से इनकार करते हुए कहा कि उनका काम राजनीति नहीं, बल्कि दुनिया में शांति फैलाना है। ईरान की चेतावनी- ईरान ने चेतावनी दी कि अगर उसके बंदरगाहों पर हमला हुआ, तो फारस की खाड़ी और ओमान सागर में कोई भी पोर्ट सुरक्षित नहीं रहेगा। फिर सीजफायर वार्ता की उम्मीद- पाकिस्तान ने उम्मीद जताई कि अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर वार्ता फिर शुरू हो सकती है और अगली मीटिंग में कोई ठोस नतीजा निकल सकता है।

मोदी बोले-2029 के चुनावों में सड़कें, हाईवे, एयरवे, रेलवे, वॉटर-वे मोदी की गारंटी,दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली। पीएम मोदी ने मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन

किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थीं। आज डबल इंजन सरकार के प्रयास से सड़क गांव तक पहुंच रही है। जो गांव वीरान थे आज फिर बस रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र जीवन से जोड़कर देखूं तो राष्ट्र की भाग्य रेखाएं कौन सी हैं, तो वे हमारी सड़कें, हाईवे, एयरवे, रेलवे वॉटर-वे हैं। ये आज की सुविधाएं नहीं हैं। आने वाली पीढ़ी के लिए हमारी, मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। इसके लिए हम संसद में महिला आरक्षण बिल ला रहे हैं। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर 213 किमी लंबा, 6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है। यह दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ता है और इसके शुरू होने से दिल्ली-देहरादून के बीच की दूरी 6 घंटे से घटकर करीब ढाई घंटे रह जाएगी। इससे पहले पीएम ने देहरादून में 16 किमी लंबा रोड शो किया। वे सुबह 11 बजे देहरादून पहुंचे और यहां से उत्तर प्रदेश के सहारनपुर रवाना हुए, जहां उन्होंने रोड शो किया। इसके बाद उन्होंने एक्सप्रेसवे पर बने एशिया के सबसे लंबे 12 किमी एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण भी किया, जो देहरादून से सहारनपुर के बीच बनाया गया है।

आरपीआई (ए) के उत्तर भारत युवा अध्यक्ष बने महेंद्र तिवारी,अठावले ने जताया भरोसा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के उत्तर भारत युवा

अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद महेंद्र तिवारी ने सोमवार को नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संगठन के विस्तार, आगामी रणनीतियों और जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. रामदास अठावले भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के दौरान डॉ. रामदास अठावले ने महेंद्र तिवारी को फूलमाला पहनाकर बधाई दी और उनके नेतृत्व पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि महेंद्र तिवारी एक ऊर्जावान, समर्पित और जुझारू युवा नेता हैं, जो संगठन को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं। उनके नेतृत्व में उत्तर भारत में पार्टी का जनाधार तेजी से बढ़ेगा और अधिक से अधिक युवा पार्टी की विचारधारा से जुड़ेंगे। अठावले ने कहा कि महेंद्र तिवारी समाज के वंचित, पिछड़े और कमजोर वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाएंगे तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने युवाओं से सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की लड़ाई में आगे आने का आह्वान भी किया। वहीं, महेंद्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि वे संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि गांव-गांव और शहर-शहर तक पार्टी का विस्तार किया जाएगा, नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा और बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर पार्टी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाएगा।अठावले ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में पार्टी उत्तर भारत में एक मजबूत राजनीतिक ताकत बनकर उभरेगी और महेंद्र तिवारी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रेसवार्ता के दौरान पार्टी के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस की पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय मोहसिना क़िदवई को कांग्रेसियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। महानगर कांग्रेस कमेटी नॉएडा के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारियों ने

सेक्टर 15 नयाबास पर कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता यूपी कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष पूर्व केंद्रीय मंत्री विभिन्न विभिन्न पदों पर रही स्वर्गीय मोहसिना क़िदवई जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजली दी गई,इस मौके पर वरिष्ट कांग्रेस नेता चाचा कुँवर नूर मोमहद ने कहा है कि स्वर्गीय मोहसिना क़िदवई जी का सभाव सरल था हर कार्यकताओं की बात को सुनती थी और उनकी बात को अमल करती थी उनके साथ कार्य करने का मौका मिला है,मुकेश यादव ने कहा है कि उनके जाने से कांग्रेस पार्टी को अपूर्णीय छती हुई है उनका मार्गदर्शन हम सब कार्यकर्ताओ के लिए प्रेणादायक है,स्टेट कोडिनेटर बड़ौत बागपत प्रभारी वरिष्ठ नेता सतेन्द्र शर्मा ने कहा है की जमीनी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को स्वर्गीय मोहसिना जी बहुत लगाव रखती थी और उनको अच्छा मार्गदर्शन देकर पार्टी के लिए प्रेरित करती थी उनका आदर्श हम सबको याद आता रहेगा और पूरा प्रदेश देश के हर कोने के कार्यकर्ताओं से बढ़ा लगाव रखती थी,इस अवसर पर वरिष्ठ नेता फिरे सिंह नागर,अल्पसंख्यक विभाग राष्ट्रीय सचिव लियाक़त चौधरी,चाचा कुँवर नूर मोमहद,स्टेट कोडिनेटर बड़ौत बागपत प्रभारी सतेन्द्र शर्मा,उपाध्यक्ष रामवुत्मार शर्मा,महासचिव दयाशंकर पांडेय,उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी,सुंदर,राजू सहित कार्यकर्ता थे।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम अभियान,स्कूटी रैली एवं महिला सम्मेलन'

प्रयागराज।(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नारी शक्ति वंदन अभियान महानगर की महिला पदाधिकारीगण, विचार परिवार,

के तहत आज सायं 4 बजे के.पी इंटर कॉलेज मैदान मेडिकल चौराहे से केदएनद काटजू इंटर कॉलेज कीडगंज तक स्कूटी रैली निकाली जाएगी। रैली के समापन के पश्चात केद एनद काटजू स्कूल में शाम 5 बजे महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया हैं। आप सभी प्रयागराज एनजीओ,प्रकोष्ठ,मोर्चा, सम्मानित महिला पार्षदगण, महिला जनप्रतिनिधिगणों से आग्रह है कि समय से उपस्थित होकर माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम को अपना समर्थन प्रदान करें एवं कार्यक्रम सफल बनाएं।

एडीएम ने क्रॉप कटिंग कराकर गेहूँ की उत्पादकता का किया आकलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अपर जिलाधिकारी

(वि0/रा0) अमृता सिंह ने गेहूँ की पैदावार की हकीकत देखने के लिए सदर तहसील क्षेत्र के अमावां ब्लॉक के सिधौना गांव में पहुंची। उनकी देखरेख में क्रॉप कटिंग कर उत्पादकता का आकलन किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल गेहूँ कटाई के 02 खेतों में प्रयोग किए गए। एक निश्चित त्रिकोण क्षेत्र में फसल कटाई करके यह देखा गया कि कितनी उत्पादकता प्राप्त हो रही है। जिसके अंतर्गत तीन खेतों में क्रॉप कटिंग की गई, जिसमें गाटा संख्या 275 में लगभग 17.800 किग्रा के हिसाब से 40.00 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। इसी प्रकार गाटा संख्या 274 में 17.300 किग्रा के हिसाब से 40.00 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित किसानों से कहा कि अपना गेहूँ धान क्रय केंद्र पर ही विक्रय करें ताकि न्यूनतम समर्थन मूल्य प्राप्त हो सके। अवशेष कृषि अपशिष्ट को खेतों में मत जलाए। क्रॉप कटिंग से फसल की पैदावार देखी जाती है इसमें रेंडम आधार पर खेतों को चुनकर फसल की उत्पादकता का आकलन किया जाता है। कम उत्पादकता होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत जनपद में कार्यरत बीमा कंपनी किसानों को लाभ देती है, इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फसल बीमा करा लेना चाहिए। इस मौके पर तहसीलदार आकृति श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक राजेन्द्र कुमार सिंह, लेखपाल प्रज्ञा जायसवाल उपस्थित रहें।

डीएम ने एनटीपीसी से सीएसआर सहयोग का चेक प्राप्त किया,विकास संबंधी मुद्दों पर हुई सार्थक वार्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने आज एन0टी0पी0सी0 द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक

उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत लगभग 30 लाख रुपये का चेक प्राप्त किया। इस अवसर पर जनहित एवं विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने एन0टी0पी0सी0 द्वारा जिले के विकास कार्यों में दिए जा रहे सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी एनटीपीसी इसी प्रकार जनपद के समग्र विकास में सहभागी रहेगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सीएसआर मद से प्राप्त धनराशि का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर जनहित के कार्यों में किया जाए, जिससे अधिकतम लोगों को लाभ मिल सके। इस अवसर पर एनटीपीसी के परियोजना प्रमुख बी0एम0 सिंह, मानव संसाधन प्रमुख पंकज कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक राजीव त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

आरएसएस के सामाजिक समरसता गतिविधि द्वारा बाबा साहब भीमराव की अम्बेडकर जयंती को 'सामाजिक समरसता दिवस' के रूप में मनाया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी भाग में राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सामाजिक समरसता गतिविधि द्वारा बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की जन्म जयंती व 'सामाजिक समरसता दिवस' के रूप में मनाया गया मुख्य रूप से समाज में व्याप्त जाति-भेद को मिटाकर एकता, प्रेम और समानता स्थापित करने का एक वार्षिक आयोजन है यह दिन, जो अक्सर डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती (13 अप्रैल की सायं काल) आयोजित हुआ, इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत के प्रान्त प्रचारक श्री रमेश कुमार जी ने अपने उद्बोधन में सामाजिक समरसता पर विशेष विशेष ध्यान दिलाते हुवे कहा की भेदभाव रहित हिंदू समाज का संदेश जातिवाद और सामाजिक भेदभाव को खत्म करके 'समता, ममता और समरसता' आधारित समाज बनाना है। कार्यक्रम के बाद सामूहिक समरसता भोज भी हुआ जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोग कार्यक्रमय में एक साथ शामिल हुवे हैं। हिंदू समाज को संगठित करने के पंच परिवर्तनः संघ के 'पंच परिवर्तन' (पाँच प्रमुख सामाजिक लक्ष्य) में सामाजिक समरसता एक प्रमुख अंग है, जो समाज को एकजुट और सशक्त बनाने पर जोर देता है.कार्यक्रम में प्रयाग नैनी जिला प्रचारक मंगल जी भाग कार्यवाह राजेश जी भाग संघचालक श्री दशरथ श्री दिनेश जी , वेद जी दिलीप जी हजारों लोग शामिल हुए।

मा0 उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। नारी शक्ति वंदन एक्ट को लागू करने के उपलक्ष्य में जनपद में जिला पंचायत सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मा0 उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग अपर्णा यादव, मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में मा0 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन कार्यक्रम का सजीव प्रसार देखा व सुना गया। मा0 उपाध्यक्ष द्वारा उपस्थित महिलाओं को पारित बिल की संपूर्ण जानकारी साझा की गई। इस सम्मेलन में महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हर क्षेत्र में मातृ शक्तियों ने अलग मुकाम बना लिया है। जरुरत है नारी को अपनी शक्तियों को पहचानने की। गांव की ग्राम पंचायतों से देश की पार्लियामेंट तक के निर्णय में नारी, की भागीदारी सुनिश्चित की की जा रही है। इस मौके पर जिला प्राबेशन अधिकारी जयपाल वर्मा, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार, सृजन प्रबंधिका डॉ अमित खुबेले, बाल कल्याण समिति सदस्य मिलिंद द्विवेदी सहित सम्बन्धित अधिकारी व आंगनबाड़ी, आशा, समूह की महिलाएं मौजूद रही।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में गूंजा महिला सशक्तिकरण का संदेश,80 महिलाओं ने ली 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' की शपथ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। जिलाधिकारी के

निर्देशानुसार जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' कार्यक्रम का आयोजन 'पंचायत से पार्लियामेंट तक-निर्णय में नारी, नव भारत की तैयारी' थीम के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर यूनिट-1, आशियाना, लखनऊ में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या अंजू प्रजापति बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं। उनके साथ गैर सरकारी संगठन 'मददगार' की सदस्या रूसेल, वन स्टॉप सेंटर की मैनेजर अर्चना सिंह एवं चौकी इंचार्ज शालिनी सोनकर भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में उपस्थित लगभग 80 महिलाओं एवं कर्मचारियों ने माननीय प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन को सामूहिक रूप से सुना, जिसमें महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता एवं राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान सभी महिलाओं को 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत शपथ दिलाई गई, जिससे समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या अंजू प्रजापति को पौधा भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। सम्मेलन ने महिलाओं में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया तथा समाज में उनकी भागीदारी को और सशक्त बनाने का संदेश।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

रोजगार मेला राजकीय आईटीआई, में अशोक लीलैंड उत्तराखंड के द्वारा साक्षात्कार का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली।राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रायबरेली के प्रधानाचार्य विवेक कुमार तिवारी ने बताया कि उनके संस्थान में दिनांक 17/04/2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे अशोक लीलैंड पंतनगर ,उत्तराखंड के लिए अप्रेंटिसशिप के लिए 200 पदों पर भर्ती होगी। इस मेले में व्यवसाय फिटर, मोटर मेकेनिक,वेल्डर, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रिशियन, मेकेनिक कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक, आर0 ए0 सी0,मशिनिष्ट, शीट मेटल वर्कर,ट्रेक्टर मेकेनिक, इलेक्ट्रिकल वाईन्डर, मेकेनिक मशीन टूल मेंटिनेंस, पॉवर इलेक्ट्रिशियन, मेकेनिक डीजल, मेकेनिक ऑटो इलेक्ट्रॉनिक्स, मेकेनिक ऑटो इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक से उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिनकी उम्र सीमा अप्रेंटिस हेतु 18 से 21.6 वर्ष, है और स्टाइपेंड 15000/- रुपये प्रतिमाह देय है। साथ में कंपनी के नियमानुसार कैंटीन की सुविधा वर्दी जूता अन्य मुफ्त में देय है। ऐसे ट्रेनीज जो वर्ष 2026 में अंतिम वर्ष की परीक्षा में बैठ रहे वे भी पात्र है,इच्छुक अभ्यर्थी अपना संक्षिप्त बायोडाटा सभी अंक पत्रों एवं तकनीकी प्रमाण पत्रों की छाया प्रति आधार कार्ड,बैंक पासबुक की फोटो कॉपी, पुलिस सत्यापन रिपोर्ट,(यदि उपलब्ध है तो)लेकर प्रातः 09:00 बजे से 3:00 बजे तक सम्मिलित हो सकते हैं। चयन प्रक्रिया लिखित व साक्षात्कार के माध्यम से होगा।

डॉ.भीमराव अंबेडकर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में हजारों मरीजों ने इलाज करवाया,1461 मरीजों का आठ शिविर में 37 डॉक्टरों ने चिकित्सा परामर्श दिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा सेवा भारती हुआ नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन के तत्वाधान में आठ स्थान पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. विभाग सेवा प्रमुख गया प्रसाद शुक्ल ने बताया किसुबह 9 बजे से शुरू हुआ इस स्वास्थ्य शिविर में 1461 मरीजों ने अपना इलाज करवाया व चिकित्सकों से परामर्श लिया। संघ के सह जिला सेवा प्रमुख राकेश तिवारी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवको संघ कि 10 शाखा के 87 स्वयंसेवको ने भाग लिया। शिविर में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र के साथ भारत माता का चित्र लगाया गया, विभाग प्रचारक डाक्टर अमित रजावत, विभाग कार्यवाह ऊधम जयसवाल, विभाग संघ चालक अमरेश बहादुर सिंह, बलराम अवस्थी जिला कार्यवाह अमित नगर कार्यवाह शिवा नन्द नगर प्रचारक अनुज ने अलग अलग स्थानों पर पुष्प अर्पित कर शिविर का उद्घाटन कर डाक्टर भीमराव अम्बेडकर को याद किया गया क्योंकि उन्होंने निम्न स्तर की बस्तियों में सेवा कार्य करने की प्रेरणा दी और उन्हें प्रमुख धारा से जोड़ने का अभियान चलाया था

जिससे प्रेरित होकर सेवा भारती ने इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करवाया है तशिविर एम्स रायबरेली के दो दर्जन डाक्टरों ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में डाक्टर पूजा द्विवेदी, मनीष त्रिवेदी डाक्टर सुमेधा रस्तोगी, डाक्टर संजय रस्तोगी, डाक्टर ज्ञानेंद्र सिंह , डाक्टर सिद्धांत सिंह, डाक्टर शिवाकांत त्रिपाठी सहित एम्स रायबरेली के डाक्टर सहभागिता किया। शहर में चतुभुजपुर बहराना शक्ति नगर अहिया रायपुर किला बाजार जैतपुर गांधीनगर व मुंशीगंज मे इस वक्त सिविल का आयोजन करवाया गया है जिसमें विभिन्न बीमारियों से संबंधित इलाज के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे त सेवा भारती के शेखर शुक्ला, सुरेश गुप्ता गजेन्द्र मौर्य, अंजली शुक्ला, साधना शर्मा, सत्य भामा शुक्ला, नीरज गुप्ता, रवि त्रिवेदी, अलग-अलग शिविर कि व्यवस्था संभाली इस स्वास्थ्य शिविर में नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन का विशेष योगदान रहा जिसके अध्यक्ष डॉ रजत सुभ्रा दास ने बताया कि इस तरह के आयोजन समाज में सेवा कार्य को प्रेरित करते हैं जिसका लाभ उसे स्टार के लोग प्राप्त करते हैं जो चिकित्सक की महंगी फीस नहीं दे पाते या फिर जो अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक नहीं है खासकर महिलाएं और बच्चे जानकारी की अभाव में यह लोग समय से इलाज नहीं करवा पाए जिससे बीमारी का इलाज हो जाती है और बड़ी हो जाती है ऐसे स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से उन्हें जागरूक किया जाता हैत सेवा भारती के विभाग अध्यक्ष सुनील गुप्ता ने लगने वाले स्वास्थ्य शिविर में व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया उन्होंने बताया कि संगठन का सेवा कार्य से जुड़कर उसे आगे बढ़ना सामाजिक दायित्व है जिसका निर्वाहन करना चाहिए।

नोएडा में औद्योगिक असामंजस्य के समाधान हेतु उच्च स्तरीय समिति का गठन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद गौतम बुद्ध नगर में उत्पन्न औद्योगिक असामंजस्य की स्थिति के दृष्टिगत, संबंधित स्टेकहोल्डर्स के साथ प्रभावी संवाद स्थापित कर औद्योगिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। उक्त समिति के अध्यक्ष औद्योगिक विकास आयुक्त, उत्तर प्रदेश होंगे। समिति में अपर मुख्य सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, उत्तर प्रदेश तथा प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग, उत्तर प्रदेश को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त सदस्य सचिव के रूप में श्रम आयुक्त उत्तर प्रदेश (कानपुर) को सम्मिलित किया गया है। समिति में श्रमिक संगठनों के 05 प्रतिनिधि एवं उद्यमी संघों के 03 प्रतिनिधि भी सदस्य के रूप में शामिल हैं। उक्त उच्च स्तरीय समिति जनपद गौतम बुद्ध नगर में पहुंच चुकी है तथा प्राथमिकता के आधार पर संबंधित प्रकरण का परीक्षण करते हुए अपनी आख्या शीघ्र ही शासन को प्रस्तुत करेगी।

अमरनाथ यात्रियों के लिए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बनवाने में भारी अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। श्री अमरनाथ यात्री महासंघ उत्तर प्रदेश एवं ओम शिव शक्ति मानव सेवा मंडल के द्वारा जिला चिकित्सालय में अमरनाथ यात्रियों को आज शुरू हो रहे स्वास्थ्य प्रमाण पत्र बनवाने में भारी अवस्थाओं का सामना करना पड़ा। सैकड़ो की संख्या में उपस्थित अमरनाथ यात्रियों को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के उदासीन रवैया के कारण सभी अमरनाथ यात्रियों को रजिस्ट्रेशन काउंटर पर कई घंटे लाइन लगानी पड़ी। मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अवस्थी ने कहा कि अपने जीवन के 21 साल अमरनाथ यात्रा संगठन का संचालन करते पहली बार मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के उदासीन व्यवहार के कारण अमरनाथ यात्रियों को भीषण गर्मी में धूप में काफी समय तक खड़े रहना पड़ा। दूरदराज से ही अमरनाथ यात्री जो अमरनाथ यात्रा जाना चाहते हैं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र पाने के लिए कड़ा संघर्ष करते नजर आए। खराब व्यवस्था को लेकर अमरनाथ यात्री महासंघ शीघ्र मुख्य चिकित्सा अधिकारी से संपर्क कर व्यवस्थाओं के सुधार एवं अमरनाथ यात्रियों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार की जांच की मांग करेगा। इस अवसर पर राजेश सिंह, राजेंद्र अवस्थी, गंगेश चौरसिया, पंकज मिश्रा, विपिन चंद्रपाल वर्मा, इन्दु दीक्षित, विशाले तिवारी, विवेक मिश्रा, आदि बड़ी संख्या में अमरनाथ यात्री जिला अस्पताल में भटकते रहे।

बाबा साहब डा0 भीमराव आंबेडकर का पूरा जीवन ही एक सन्देश है-केशव प्रसाद मौर्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'भारत रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर मंगलवार को लखनऊ स्थित अपने कैम्प कार्यालय, 7-कालिदास मार्ग पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का संपूर्ण जीवन ही एक सशक्त संदेश है। उन्होंने अपने संघर्ष, शिक्षा और संकल्प के बल पर समाज के वंचित, शोषित और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए जो कार्य किए, वे सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के आदर्श और उनका जीवन दर्शन आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं, जिन्हें अपनाकर समाज में समता और न्याय की स्थापना की जा सकती है। श्री मौर्य ने कहा कि सामाजिक न्याय के अग्रदूत एवं भारतीय संविधान के शिल्पी बाबा साहब डॉ. आंबेडकर ने शिक्षा को परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बनाते हुए वंचितों, श्रमिकों और किसानों को अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके द्वारा स्थापित समता, न्याय और मानव गरिमा के सिद्धांत

आज भी राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र के साथ बाबा साहब के सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। 'पंचतीर्थ' जैसे प्रेरक प्रयासों तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का संघर्षमय जीवन हमें कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। हमें न केवल उनके विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए, बल्कि उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करते हुए एक समतामूलक और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देना चाहिए।

श्रमिक आंदोलन में हुई भारी आगजनी व तोड़फोड़ पर नौएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने की सख्त कार्यवाही करने की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। नौएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन के दौरान हुई सामूहिक हिंसा और आगजनी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए नौएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने नौएडा के विधायक पंकज सिंह को पत्र भेजकर श्रमिक आंदोलन की आड़ में शामिल हुए अराजक तत्वों/दोषियों को चिन्हित कर उनपर तत्काल कार्यवाही के लिए कहा है। पत्र में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं सांसद गौतमबुद्ध नगर से भी आवश्यक कार्यवाही हेतु अनुरोध किया गया है। एन.सी.एफ. की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने कहा कि ऐसी घटनाएं किसी भी सभ्य समाज को ना केवल दहशत में डालती हैं बल्कि जन सामान्य के मन मस्तिष्क में भी सरकार की कार्यशैली की खराब छवि को उकेरने का काम करती हैं। नौएडा में इस प्रकार की हिंसक घटनाएं घटित होना बहुत ही अनुचित है तथा क्षेत्रीय पुलिस प्रशासन की बड़ी विफलता है कि इतनी बड़ी हिंसक घटना घटित हो गई और स्थानीय पुलिस प्रशासन को खबर ही नहीं लग सकी, क्या नौएडा में स्थानीय सतर्कता यूनिट गठित नहीं है या पुलिस का गुप्तचर विभाग निकम्मा हो चला है यह प्रश्न उठना जायज है। नौएडा सिटीजन फोरम मांग करता है कि भविष्य में इस प्रकार की हिंसक व समाज में दहशत पैदा करने वाली घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने पर स्थानीय पुलिस प्रशासन को 'ठोस नीति' बनाने हेतु उन्हें नौएडा के विधायक द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए तथा नौएडा के नागरिकों को सार्वजनिक तौर पर अवगत व आश्वस्त भी कराया जाना चाहिए कि भविष्य में इस प्रकार की दहशतगर्दी से नौएडावासियों को सुरक्षित रखा जायेगा। नौएडा आज अपनी एक वैश्विक पहचान बना चुका है। अभी कुछ दिन पहले ही 'नौएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट' का भारत के प्रधानमंत्री ने स्वयं आकर उद्घाटन किया है, ऐसे में इस प्रकार की घटनाएं न केवल कानून-व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाती हैं बल्कि नौएडा की सकारात्मक छवि को भी प्रभावित करती हैं। नौएडा सिटीजन फोरम व्यापक जनहित में नौएडा के विधायक पंकज सिंह से मांग करता है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही, दोषियों के खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कराए जाने का नौएडा के नागरिकों को भरोसा दिलाया जाये। इसके अतिरिक्त, मानवीय आधार पर फोरम यह भी अनुरोध करता है कि श्रमिकों की जायज मांगों और उनके हितों पर गंभीरता से विचार किए जाने को भी प्राथमिकता पर लिया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अराजकतापूर्ण स्थिति उत्पन्न न हो। शालिनी सिंह ने नौएडा विधायक पंकज सिंह से निवेदन किया है कि वो पुलिस एवं प्रशासन से तत्काल इस घटना की रिपोर्ट तलब कर अन्य आवश्यक कार्यवाही भी अमल में लायें।

एवियर एजुकेशनल हब में टेक्निया 2026 का सफल आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 62 स्थित एवियर एजुकेशनल हब में टेक्निया 2026 का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आईटी विभाग के छात्रों ने अपनी तकनीकी समझ, इनोवेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई से जुड़े कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित शालिनी सिंह ने कहा कि इस आयोजन में यह स्पष्ट रूप से देखने को मिला कि आज के छात्र केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे तकनीक को व्यावहारिक रूप में लागू करने की क्षमता रखते हैं। इन प्रोजेक्ट्स को देखते हुए संस्थान के चेयरमैन श्री संदीप सिंह ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट्स भविष्य में उपयोगी और प्रभावी समाधान बन सकते हैं। एवियर एजुकेशनल हब छात्रों को इंडस्ट्री ओरिएंटेड स्किल्स प्रदान कर उन्हें करियर के लिए तैयार करता है। छात्रों ने अपने प्रोजेक्ट्स के माध्यम से स्मार्ट टेक्नोलॉजी, ऑटोमेशन और डिजिटल सॉल्यूशंस को प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम संस्थान के एक्जीक्यूट डायरेक्टर अमरेश कुमार जो खुद एक आईटी एक्सपर्ट भी हैं उनके नेतृत्व में कराया गया जिसके अंतर्गत छात्रों ने विभिन्न वर्किंग मॉडल्स प्रदर्शित किए, जिनमें एआई बेस्ड सॉल्यूशंस, स्मार्ट सिस्टम्स और आधुनिक तकनीक की स्पष्ट झलक देखने को मिली। छात्रों ने न केवल अपने प्रोजेक्ट्स को प्रस्तुत किया, बल्कि उनके कार्य करने की प्रक्रिया को भी सरल और प्रभावी तरीके से समझाया। एवियर एजुकेशनल हब की मैनेजिंग डायरेक्टर कनिका सिंह ने छात्रों के प्रोजेक्ट्स का अवलोकन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ साथ उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र एवं मैनेजमेंट व स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे, जहां पूरे परिसर में उत्साह, नवाचार और सीखने का सकारात्मक वातावरण देखने को मिला।

नोएडा में फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन ने बैसाखी उत्सव के जरिए बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा में स्थित फर्स्टवन रिहैब फाउंडेशन द्वारा बैसाखी के पावन अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों के साथ मिलकर नृत्य, स्वादिष्ट व्यंजनों का वितरण एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री अमरजीत कौर रहीं, जो अमेरिका में एक आईपी प्रोफेशनल हैं। उन्होंने बैसाखी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पंजाब का एक अत्यंत महत्वपूर्ण त्योहार है, जो प्रकृति, समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि अमेरिका में जन्म और परवरिश होने के बावजूद अपनी जड़ों से जुड़े रहना उन्हें जीवन में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन व्यक्ति को प्रकृति से जोड़ते हैं और विनम्रता सिखाते हैं। फाउंडेशन के बच्चों के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि संस्था का मुख्य उद्देश्य उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इस आयोजन के माध्यम से बच्चों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं भावनात्मक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के निदेशक डॉ. महिपाल सिंह एवं डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. सुष्मिता भाटी, एडमिन हेड कृष्णा यादव, सेंटर मैनेजर सुरभि जैन, डिजिटल मीडिया मैनेजर सौम्या सोनी, विशेष शिक्षिका इलिका रावत, फिजियोथेरेपिस्ट अभिनव प्रताप सिंह, नैतिक ओझा एवं रजत शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने सभी के मन में उत्साह, अपनापन और सांस्कृतिक जुड़ाव की भावना को और मजबूत किया।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर श्रद्धांजलि एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज राष्ट्रीय लोकदल सोनभद्र के जिला कार्यालय पर भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही सम्मान एवं गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके विचारों और सिद्धांतों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने की। अपने विस्तृत संबोधन में उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. अंबेडकर समतामूलक एवं शोषणमुक्त समाज के सिद्धांतों पर चलने वाले महान पुरुष थे। उनकी दूरदर्शी सोच और विचारधारा सदैव भारतवासियों का पथप्रदर्शन करती रहेगी। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता, न्याय और स्वतंत्रता की जो नींव रखी, वही आज हमारे लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। श्री त्रिपाठी ने आगे कहा कि चौधरी चरण सिंह ने बाबा साहब के सामाजिक न्याय और समान अवसर के सिद्धांतों को व्यवहारिक धरातल पर उतारने का कार्य किया। उन्होंने किसानों, मजदूरों और ग्रामीण भारत के उत्थान के लिए जो नीतियाँ बनाई, वे सीधे तौर पर अंबेडकर जी के समतामूलक समाज के सपने को साकार करने की दिशा में थीं। चौधरी चरण सिंह की राजनीति हमेशा गरीब, किसान और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई से जुड़ी रही, जो बाबा साहब के विचारों का ही विस्तार है।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ श्री प्रशांत विष्णु प्रताप सिंह ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में कहा कि बाबा साहब का जीवन हमें शिक्षा, संघर्ष और संगठन के महत्व को समझाता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही समाज में वास्तविक समानता और न्याय स्थापित किया जा सकता है।

जिला अध्यक्ष (अनुसूचित प्रकोष्ठ) श्री ओमप्रकाश भारती ने कहा कि बाबा साहब के विचार केवल एक वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे समाज के उत्थान का मार्ग प्रशस्त करते हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारों की रक्षा के लिए उनके सिद्धांत आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं।प्रदेश सचिव युवा श्री विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी समाज के हर वर्ग के लिए मार्गदर्शक हैं। हमें उनके आदर्शों को अपनाकर सामाजिक समरसता को मजबूत करना चाहिए।

जिला प्रवक्ता श्री मनदीप सिंह ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने का कार्य किया। उनके सिद्धांतों पर चलकर ही एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज का निर्माण संभव है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने तथा सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उक्त अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सह अध्यक्ष साधन सहकारी समिति श्री विनोद मिश्रा, श्री पवन शुक्ला, श्री अनिल प्रताप सिंह, श्री विकास पाण्डेय, श्री गंगेश्वर पटेल, धर्मेंद्र चौबे रोहित सिंह, श्री चंद्रभान संतोष यादव नीरज सोनी अनुज दुबे दिनेश पाण्डेय पटेल, श्री सुनील गुप्ता, श्री दामोदर पटेल समेत कई कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।।

भक्ति की बयार

दुग्धेश्वर महादेव मंदिर के स्थापना दिवस जागरण का आयोजन, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

मंदिर के स्थापना दिवस पर हुआ भव्य कार्यकम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर के मां शीतला धाम के पास स्थित प्रसिद्ध दुग्धेश्वर महादेव मंदिर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मंदिर समिति द्वारा मंगलवार की रात भव्य जागरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक भूपेश चौबे ने शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत महाकाल ग्रुप के कुमार सत्यम के कुशल मार्गदर्शन में वाराणसी से पधारे सुप्रसिद्ध गायक विक्की तिवारी (छोटा पागल), मनीष लाल यादव और गायिका छाया निधि द्वारा श्री गणेश एवं मां सरस्वती की वंदना से की गई। इसके उपरांत गायकों ने भगवान भोलेनाथ, माता पार्वती और संकटमोचन हनुमान जी के एक से बढ़कर एक मधुर भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। भजनों की लय पर श्रद्धालु इस कदर मंत्रमुग्ध हुए कि वे स्वयं को झूमने से रोक नहीं पाए और पूरा परिसर 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा। संगीत टीम में ढोलक पर शिवम, कीबोर्ड पर नागेंद्र, पैड पर राज और ढोल पर नीरज ने अपने वादन से समां बांध दिया।जागरण का मुख्य आकर्षण भगवान शिव, माता पार्वती और हनुमान जी के वेश में सजे झांकी कलाकारों का जीवंत अभिनय रहा, जिन्होंने अपनी कला से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सदर विधायक भूपेश चौबे, कृष्ण मुरारी गुप्ता, मंगल केसरी, राजेश जायसवाल, किशोरी केसरी, पवन केसरी, गोविंद केसरी, सचिन गुप्ता, सुरेश केसरी, संगीता गुप्ता, उमा केशरी, किरण केशरी, सीमा केसरी, लक्ष्मी केसरी, सपना केसरी, ऊषा देवी, अनीता देवी, निधि केसरी, आंचल केसरी, अंजना केसरी, चंदन, प्रियांशु, हर्ष, नीरज, अनिकेत, चेतन, आकर्षण, अमन, अनुराग, अमित, तनिष्क, विक्की और सोनू सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

न्यायिक अधिकारियों का माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र देकर की गई भावभीनी विदाई

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के साथ ही सरकारी वकील व कर्मचारियों ने दी विदाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दीवानी न्यायालय परिसर रॉबर्ट्सगंज में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र, सरकारी वकीलों व कर्मचारियों द्वारा बुधवार को न्यायिक अधिकारियों के स्थानांतरण पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सभी न्यायिक अधिकारियों को माल्यार्पण कर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर भव्य विदाई दी गई। जिसमें प्रमुख रूप से एडीजे प्रथम जितेंद्र कुमार द्विवेदी, एडीजे अर्चना रानी, एडीजे शैलेंद्र यादव, एडीजे आबिद शमीम, एडीजे अमित वीर सिंह, सीजेएम आलोक यादव, सिविल जज सीनियर डिवीजन अमित कुमार, अभिनव दुबे, यादवेंद्र सिंह आदि को भावभीनी विदाई दी गई। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, पूर्व अध्यक्षगण जगजीवन सिंह एडवोकेट व श्याम बिहारी यादव एडवोकेट, पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिंदु यादव एड , महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव एड समेत अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट किया और फूलों का हार पहनाया। इस अवसर पर राजेश कुमार यादव एड , उपाध्यक्ष चतुर्भुज शर्मा एड, कामता प्रसाद यादव एड, रियाज़ खान एड ,प्रदीप कुमार मौर्य एड,राकेश सिंह, कोषाध्यक्ष द्वारिका नाथ नागर एड, रामगुल्ली यादव, हरिद्वार एड, विनीता एड मौजूद रही। उधर सरकारी वकीलों व कर्मचारियों ने भी विदाई दी। जिसमें सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सी शशांक शेखर कात्यायन, सत्यप्रकाश त्रिपाठी व नीरज कुमार सिंह के अलावा कर्मचारीगण अम्बरीष पाठक, योगेंद्र यादव आदि शामिल रहे।

नारी सुरक्षा और साइबर जागरूकता पर जोर- मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत सोनभद्र पुलिस का व्यापक अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण में व्यापक जनजागरूकता अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विद्यालय, महाविद्यालय, कोचिंग संस्थान, बाजार और ग्राम सभाओं में संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा, महिला उत्पीड़न से संबंधित कानून और हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, बढ़ते साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं ओटीपी साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिससे आमजन साइबर ठगी से सुरक्षित रह सकें। सोनभद्र पुलिस द्वारा आमजन से अपील की जाती है कि किसी भी आपात या संदिग्ध स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर सूचना दें तथा जागरूक रहकर स्वयं एवं अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करें। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर-112 - आपातकालीन सेवा, 1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सोनभद्र पुलिस – आपकी सुरक्षा, हमारा संकल्प।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

विजडन ने दीप्ति शर्मा को बेस्ट वोमेन क्रिकेटर चुना,'फाइव क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर' में गिल-जडेजा समेत 4 प्लेयर्स

नयी दिल्ली। क्रिकेट की 'बाइबल' कही जाने वाली पत्रिका विजडन क्रिकेटर्स

अल्मानैक ने इस साल मिचेल स्टार्क को दुनिया का 'लीडिंग पुरुष क्रिकेटर' और दीप्ति शर्मा को 'लीडिंग महिला क्रिकेटर' चुना है। पत्रिका का 163वां संस्करण कल यानी 15 अप्रैल को प्रकाशित होने जा रहा है। इस साल विजडन ने अपने सबसे पुराने सम्मान 'फाइव क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर' में 4 भारतीय खिलाड़ियों को भी जगह दी है। इनमें टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, ऋषभ पंत और मोहम्मद सिराज शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रही टेस्ट सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया था। शुभमन गिल को एजबेस्टन टेस्ट में 430 रन बनाने के लिए 'विजडन ट्रॉफी' से भी नवाजा गया है। ऑस्ट्रेलियाई फास्ट बॉलर मिचेल स्टार्क साल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 11 टेस्ट मैचों में 55 विकेट लिए, औसत सिर्फ 17.32 का रहा। वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट सिर्फ 9 रनों पर लिए। इसके बाद उन्होंने 2025-26 एशेज सीरीज के पहले दो टेस्ट में 18 विकेट झटके और पूरी सीरीज में 31 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को सीरीज जिताने में अहम भूमिका निभाई। स्टार्क इस समय 36 साल के हैं। भारत की 28 साल की दीप्ति शर्मा ने पिछले साल नवंबर में विमेंस वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। विजडन ने दीप्ति को लीडिंग महिला क्रिकेटर चुना है। दीप्ति ने टूर्नामेंट में 215 रन बनाने के साथ ही 22 विकेट भी लिए। फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 58 रन बनाए और 5 विकेट लेकर जीत पक्की की। विजडन ने भारत के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को दुनिया का 'लीडिंग टी-20 क्रिकेटर' घोषित किया है। अभिषेक ने एक कैलेंडर ईयर में 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1000 से ज्यादा टी-20 रन बनाए। उनके इस प्रदर्शन ने उन्हें ग्लोबल लेवल पर पहचान दिलाई है। दूसरी तरफ, इंग्लैंड के पूर्व ओपनर हसीब हमीद इकलौते अंग्रेज खिलाड़ी हैं, जिन्हें इस साल के प्रमुख अवॉर्ड्स में जगह मिली है। उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में नॉटिंघमशायर की कप्तानी करते हुए 66 की औसत से 1258 रन बनाए। विजडन के एडिटर लॉरेंस बूथ ने एशेज में इंग्लैंड की 4-1 से हुई हार पर टीम मैनेजमेंट को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने लिखा, 'इंग्लैंड इतिहास रचने गया था, लेकिन मजाक बनकर रह गया।' बूथ ने ब्रेंडन मैक्कलम और बेन स्टोक्स की जोड़ी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनकी रणनीति 'अनुमान के मुताबिक' हो गई है। वे तर्क सुनने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने उपकप्तान हैरी ब्रुक के एक विवाद का भी जिक्र किया जो सीरीज से पहले हुआ था। प्राइवेट स्कूलों का खेल बनता जा रहा है इंग्लिश क्रिकेट मैदान के बाहर की चुनौतियों पर बात करते हुए विजडन ने इंग्लैंड में क्रिकेट के गिरते स्तर पर चिंता जताई। जेम्स कॉइन ने लिखा कि इंग्लैंड में क्रिकेट अब केवल अमीर या प्राइवेट स्कूलों तक सीमित होता जा रहा है। जब तक क्रिकेट फिर से एक राष्ट्रीय खेल नहीं बनता और आम बच्चों तक इसकी पहुंच नहीं होती, इंग्लैंड लंबे समय तक दुनिया की नंबर-1 टीम नहीं बना रह पाएगा। दिग्गज अंपायर डिकी बर्ड को श्रद्धांजलि-इस साल का अल्मानैक दिग्गज अंपायर डिकी बर्ड को भी समर्पित है, जिनका पिछले साल सितंबर में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। पूर्व क्रिकेटर डेरेक प्रिंगल ने उन्हें याद करते हुए लिखा कि डिकी की मैदान पर मौजूदगी किसी कलाकार की तरह होती थी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि आज के आईसीसी के दौर में, जहां तकनीक को भावनाओं से ऊपर रखा जाता है, डिकी बर्ड जैसी शख्सियत और उनकी अंपायरिंग स्टाइल को शायद जगह न मिलती। विजडन पत्रिका- 1864 में स्थापना हुई थी- विजडन क्रिकेटर्स अल्मानैक दुनिया की मशहूर स्पोर्ट्स रेफरेंस बुक है। इसे सामान्य रूप से विजडन नाम से भी जाना जाता है। यह ब्रिटेन में 1864 से हर साल प्रकाशित होती है। इसकी स्थापना जॉन विजडन ने की थी। इसकी स्थापना का मकसद था दुनियाभर में क्रिकेट की प्रामाणिक कवरेज देना। इसमें डिटेल्ड स्कोरकार्ड, रिकॉर्ड्स और क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर्स अवॉर्ड्स शामिल हैं।

गर्मियों में कैसा हो स्किन केयर रूटीन,डर्मेटोलॉजिस्ट से समझें अपना स्किन टाइप और उसकी जरूरत

नयी दिल्ली। गर्मियों में कपड़े-खानपान के साथ स्किन की जरूरतें भी बदल जाती हैं। तेज धूप, पसीना और पॉल्यूशन स्किन पर सीधा असर डालते हैं। ऐसे में अगर आप सर्दियों वाला ही स्किन केयर रूटीन फॉलो करते हैं तो स्किन ऑयली, डल या एक्ने-प्रोन हो सकती है। दरअसल, गर्मियों में यूवी (अल्ट्रा वॉयलेट) किरणें और ह्यूमिडिटी स्किन बैरियर को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इससे टैनिंग, पिग्मेंटेशन

और इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि-गर्मियों में स्किन केयर रूटीन कैसा होना चाहिए? कौन-सी गलतियां स्किन को नुकसान पहुंचाती हैं? गर्मियों में स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग कैसे रखें? विषय को सवाल जवाब के माध्यम से समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. संदीप अरोड़ा, सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ - सवाल- गर्मियों में स्किन केयर रूटीन बदलना क्यों जरूरी है? जवाब- ये सिर्फ एक ट्रेंड नहीं, बल्कि साइंस बेस्ड जरूरत है। इन कारणों से गर्मियों में स्किन केयर रूटीन बदलना जरूरी है- ज्यादा स्वेटिंग, गर्मी में ज्यादा पसीना आता है। इससे स्किन के पोर्स ब्लॉक होने लगते हैं और पिंपल्स, रैशेज बढ़ते हैं। यूवी रेज-गर्मी में धूप ज्यादा होती है। यूवी रेज डायरेक्ट स्किन पर पड़ती हैं। इससे टैनिंग, सनबर्न और पिग्मेंटेशन का रिस्क ज्यादा होता है। डिहाइड्रेशन-तेज गर्मी और पसीने की वजह से भी शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इससे स्किन ड्राई और डल होती है। सवाल- क्या हर स्किन टाइप के लिए स्किन केयर रूटीन अलग होता है? जवाब- हां, हर स्किन की जरूरत अलग होती है। हर स्किन की प्रॉब्लम अलग होती है। वह अलग तरीके से रिएक्ट करती है। इसलिए एक ही प्रोडक्ट और तरीका सब पर काम नहीं करता। सवाल-हर स्किन टाइप के हिसाब से गर्मियों का कंप्लीट स्किन केयर रूटीन क्या होना चाहिए? जवाब-नीचे स्टेप-बाय-स्टेप पूरा प्रोसेस देखें-1. ऑयली स्किन, सुबह फेसवॉश से मुंह धोएं। फेसवॉश जेल बेस्ड होना चाहिए। एल्कोहल फ्री टोनर लगाएं। ऑयल फ्री मॉइश्चराइजर लगाएं। एसपीएफ 30 प्लस सनस्क्रीन लगाएं। रात सोने से पहले फेसवॉश से मुंह धोएं। ऑयल कंट्रोल सीरम लगाएं।मॉइश्चराइजर लगाएं। वीकली 2 से 3 बार क्ले मास्क लगाएं। ये ऑयल एब्जॉर्ब करता है। 1-2 बार स्क्रब करें। ड्राई स्किन सुबह फेस वॉश से मुंह धोएं।फेस वॉश क्रीम बेस्ड होना चाहिए। हाइड्रेटिंग टोनर लगाएं। उसके बाद मॉइश्चराइजर लगाएं। मॉइश्चराइजर सेरामाइड/हाइलूरोनिक एसिड बेस्ड होना चाहिए।हाइड्रेटिंग सनस्क्रीन लगाएं। रात फेस वॉश से मुंह धोएं। हाइड्रेटिंग सीरम लगाएं। नाइट क्रीम लगाएं। वीकली-1-2 बार हाइड्रेटिंग मास्क लगाएं। 1-2 बार चेहरे को स्क्रब करें। बहुत ज्यादा स्क्रब करने से बचें। कॉम्बिनेशन स्किन सुबह-माइल्ड फेसवॉश से मुंह धोएं। लाइट वेट मॉइश्चराइजर लगाएं। उसके बाद सनस्क्रीन लगाएं। सनस्क्रीन ग्रीसी नहीं होना चाहिए। टी -जोन पर ऑयल कंट्रोल सीरम लगाएं। रात-फेसवॉश से मुंह धोएं। हल्का हाइड्रेटिंग सीरम लगाएं।मॉइश्चराइजर लगाएं। वीकली-टी -जोन पर ऑयल कंट्रोल क्ले मास्क लगाएं। गालों पर हाइड्रेटिंग क्ले मास्क लगाएं। 1-2 बार स्क्रब करें। सेंसिटिव स्किन-सुबह-जेंटल फेस वॉश से मुंह धोएं। फेस वॉश फ्रेग्रेंस फ्री होना चाहिए। एलोवेरा बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं। मिनरल बेस्ड सनस्क्रीन लगाएं। सनस्क्रीन में जिंक ऑक्साइड हो। रात-फेस वॉश करें। एलोवेरा बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं। वीकली-सूदिंग फेस मास्क लगाएं। चेहरा स्क्रब न करें। सवाल- गर्मियों में स्किन ज्यादा ऑयली क्यों हो जाती है? जवाब-जवाब नीचे पॉइंटर्स में देखें- स्किन में सेबेसियस ग्लैंड्स होते हैं, जो सीबम यानी ऑयल बनाते हैं। गर्मी में तापमान बढ़ने से ये ग्लैंड ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं। गर्मी में ज्यादा पसीना होता है। ऑयल और पसीना मिलने से स्किन चिपचिपी हो जाती है। गर्मी में ह्यूमिडिटी भी होती है, जिससे ऑयल उड़ नहीं पाता और स्किन से चिपका रहता है। इसलिए स्किन के पोर्स भी जल्दी ब्लॉक हो जाते हैं। हॉर्मोन भी ऑयल प्रोडक्शन पर असर डालते हैं। - गलत स्किन केयर रूटीन कई तरीकों से स्किन को डैमेज कर सकता है। अगर आप सर्दियों वाला रूटीन गर्मियों में भी जारी रखते हैं तो इससे पिंपल्स से लेकर पिग्मेंटेशन तक की समस्या बढ़ सकती है। सवाल-दिन में कितनी बार फेस वॉश से मुंह धोना चाहिए? जवाब- दिन में दो बार मुंह धोना चाहिए। सुबह उठने के बाद और रात में सोने से पहले। सवाल- क्या दिन में 3-4 बार भी फेसवॉश से मुंह धो सकते हैं? जवाब- नहीं। ज्यादा मुंह धोने से-स्किन ड्राई हो सकती है। नेचुरल ऑयल बैलेंस बिगड़ता है। ऑयल प्रोडक्शन बढ़ सकता है। सवाल-क्या समर में टोनर लगाना जरूरी है? जवाब- यह एकदम अनिवार्य नहीं है। लेकिन मुंह धोने के बाद एल्कोहल फ्री टोनर लगाना स्किन के लिए फायदेमंद होता है। सवाल-मॉइश्चराइजर गर्मियों में भी लगाना चाहिए या नहीं? जवाब- हां, गर्मियों में भी मॉइश्चराइजर लगाना जरूरी है। यह हर स्किन टाइप के लिए जरूरी है क्योंकि- यह स्किन को हाइड्रेट रखता है। स्किन बैरियर को मजबूत करता है। ऑयल प्रोडक्शन को बैलेंस करता है। ड्राइनेस और इरिटेशन से बचाता है। मॉइश्चराइजर न लगाने पर स्किन ज्यादा ऑयल प्रोड्यूस करती है। सवाल- गर्मियों में कितने एसपीएफ का सनस्क्रीन लगाना चाहिए? जवाब- सनस्क्रीन चुनते हुए अपनी डेली एक्टिविटी का ध्यान रखें-इनडोर जॉब (जो घर/ऑफिस में ज्यादातर समय बिताते हैं)-एसपीएफ30 सनस्क्रीन आउटडोर जॉब (जो धूप में ज्यादा रहते हैं)-एसपीएफ 50 सनस्क्रीनसवाल-सनस्क्रीन दिन में कितनी बार लगाना चाहिए? जवाब- ये सिर्फ एक बार लगाना काफी नहीं। इसलिए- सुबह मुंह धोकर लगाएं। बाहर जा रहे हैं तो हर 3-4 घंटे में री-अप्लाई करें। ज्यादा धूप में हैं तो हर 2 घंटे में री-अप्लाई करें। पसीना ज्यादा हो तो री-अप्लाई करें। सवाल- क्या घर के अंदर भी सनस्क्रीन लगाना चाहिए? जवाब-हां, इन स्थितियों में घर के अंदर भी सनस्क्रीन लगाएं- अगर खिड़की के पास बैठते हैं। अगर घर में सीधे सनलाइट आती है। अगर लैपटॉप/मोबाइल यूज ज्यादा है। अगर स्किन में पिग्मेंटेशन/एक्ने है। सवाल- क्या पसीना से पिंपल्स, रैशेज बढ़ सकते हैं? जवाब- हां, ज्यादा पसीना आने से ये प्रॉब्लम बढ़ सकती है। सवाल- क्या गर्मियों में बार-बार मेकअप लगाने से स्किन को नुकसान होता है? जवाब- हां, इससे स्किन डैमेज हो सकती है। इसके कारण समझें- मेकअप पसीने और ऑयल के साथ मिलकर पोर्स को बंद कर देता है। इससे एक्ने, ब्लैकहेड्स बढ़ सकते हैं। गर्मी में मेकअप मेल्ट होता है। इससे स्किन पर लेयर्स बढ़ जाती हैं। पसीने वाली त्वचा पर मेकअप लगाने से बैक्टीरिया बढ़ सकते हैं। इससे पिंपल्स और स्किन इरिटेशन हो सकता है।

फुट मसाज से घटता स्ट्रेस,खुद से फुट मसाज करने के 9 टिप्स, न करें ये 7 गलतियां, डॉक्टर से जानें इसके 6 फायदे

नयी दिल्ली। दिनभर की भागदौड़, ऑफिस का दबाव, घर की जिम्मेदारियां और लगातार मोबाइल या कंप्यूटर की स्क्रीन पर नजरें टिकाए

रखना। इन सब चीजों का असर हमारे शरीर और दिमाग पर पड़ता है। इससे थकान बढ़ती है और मानसिक तनाव भी बना रहता है। अक्सर हम इतनी थकान के बावजूद काम को जारी रखते हैं। फुट मसाज यानी पैरों की मालिश एक आसान और असरदार तरीका है। यह न केवल बिना दवा के किया जा सकता है, बल्कि खर्च भी बहुत कम है। पैरों में शरीर के कई महत्वपूर्ण प्रेशर पॉइंट्स होते हैं, जिन्हें हल्के दबाव से मालिश करने पर तनाव कम होता है, नींद सुधरती है और दिमाग को शांति मिलती है। मामले को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- क्या वाकई सिर्फ पैरों की मसाज से पूरा शरीर रिलैक्स हो सकता है? जवाब- साल 2022 में, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश्ड एक स्टडी के मुताबिक, रिफ्लेक्सोलॉजी (जिसमें पैरों, हाथों या कानों के कुछ खास बिंदुओं पर दबाव डाला जाता है) से तनाव कम होता है और शरीर को आराम मिलता है। पैरों की सतह पर मौजूद एक्यूप्रेशर पॉइंट्स सीधे दिमाग, दिल, किडनी, फेफड़े और रीढ़ की नसों से जुड़े होते हैं। जब हम इन पॉइंट्स पर हल्का दबाव डालते हैं तो शरीर का नर्वस सिस्टम सक्रिय होता है, ब्लड

सर्कुलेशन बेहतर होता है और मांसपेशियों की जकड़न कम होती है। इससे पूरे शरीर में रिलैक्सिंग हार्मोन (जैसे एंडोर्फिन और सेरोटोनिन) रिलीज होते हैं, जो तनाव घटाने में मदद करते हैं।सवाल- क्या फुट मसाज से नींद बेहतर हो सकती है? जवाब- अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव मेडिसिन के अनुसार, पैरों की मालिश तनाव कम करने में मदद करती है और बेहतर नींद में सहायक हो सकती है। रोज रात सोने से पहले 10-15 मिनट तक पैरों की हल्की मसाज करने से पैर गर्म होते हैं और नसों की एंडिंग्स शांत हो जाती हैं। यह प्रक्रिया शरीर को 'रिस्ट मोड' में डाल देती है, जिससे जल्दी नींद आती है और नींद की क्वालिटी भी बेहतर होती है। खासकर जिन लोगों को बार-बार नींद से जागने या अनिद्रा की शिकायत होती है उनके लिए यह फायदेमंद साबित हो सकता है। सवाल- किन-किन तरीकों से पैरों की मसाज की जा सकती है? जवाब- हम बिना किसी ट्रेनिंग के पैरों की मालिश के लिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं, जिन्हें घर पर आजमाया जा सकता है। सवाल- क्या ऊपर बताए गए मसाज के तरीके किसी भी उम्र के लोग कर सकते हैं? जवाब- हां, ये तरीके 10 साल के बच्चे से लेकर 80 साल के बुजुर्ग तक, सभी के लिए फायदेमंद हैं। कुछ विशेष परिस्थितियों जैसे चोट लगी होने या बीमार होने पर मसाज करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। हालांकि सामान्य थकान, तनाव या नींद की परेशानी में ये उपाय सुरक्षित हैं। सवाल-क्या किसी विशेष समय पर मसाज करने से ज्यादा फायदा होता है? जवाब- रात को सोने से ठीक पहले किया गया फुट मसाज सबसे प्रभावी होता है। उस समय शरीर पहले से ही रिलैक्स मोड में होता है और मसाज दिमाग को नींद के लिए तैयार करता है। इसके अलावा, सुबह उठने के तुरंत बाद हल्का मसाज भी शरीर को एक्टिव रखने में मदद करता है। सवाल- मसाज करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब-पैरों की मालिश करते समय कुछ जरूरी बातें हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।सवाल- क्या फुट मसाज सिर्फ तनाव कम करता है या और भी फायदे हैं? जवाब- पैरों की मालिश से न केवल तनाव और थकान घटती है, बल्कि ये शरीर के कई और हिस्सों पर भी सकारात्मक असर डालता है। आइए इसके फायदे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल-क्या कोई घरेलू तरीके है जिससे पैरों की मालिश करने में आसानी हो? जवाब- हां, आप कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं,सवाल- क्या ये आदत रोज अपनाई जा सकती है? जवाब- बिल्कुल। 10-15 मिनट की यह आदत न सिर्फ तनाव घटाती है, बल्कि एक शॉर्ट मेडिटेशन का एक्सपीरियंस भी कराती है। खासतौर पर जब आप थकान से चूर हों, दिनभर भागदौड़ में उलझे हों और दिमाग शांत न हो तो इस तरीके को अपनाकर बिना किसी दवा या खर्च के गहरी राहत पा सकते हैं।

गर्मी से पहले एसी खरीदना हुआ महंगाःकंपनियों ने 5-15फीसदी तक बढ़ाई कीमतें; कॉपर-एल्युमीनियम के दाम बढ़ने का असर

नयी दिल्ली। गर्मी से पहले एसी खरीदना महंगा हो गया है। एसी डाइकिन, वोल्टास और ब्लू स्टार

जैसी बड़ी कंपनियों ने कीमतें 15फीसदी तक बढ़ा दी है। कंपनियों का कहना है कि कच्चे माल जैसे कॉपर, एल्युमीनियम की बढ़ती कीमतों और माल ढुलाई के खर्च में इजाफे की वजह से दाम बढ़ाए हैं। सवाल 1ः एसी की कीमतों में कितनी बढ़ोतरी हुई है और कौन सी कंपनियां दाम बढ़ा रही हैं? जवाबः प्रमुख एसी मैन्युफैक्चर्स ने कीमतों में 5फीसदी से 15फीसदी तक का इजाफा किया है। इसमें टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास, डाइकिन, ब्लू स्टार, एलजी, हायर और मित्सुबिशी जैसे बड़े नाम शामिल हैं। सवाल 2ः एसी के दाम अचानक क्यों बढ़ रहे हैं? जवाबः इसके पीछे 4 मुख्य कारण हैं- कॉपर और एल्युमीनियम जैसे कच्चे माल के दाम काफी बढ़ गए हैं। भारतीय रुपया कमजोर हुआ है, जिससे पुर्जों का आयात महंगा हो गया है। बीते कुछ दिनों में माल ढुलाई का खर्च बढ़ गया है। 1 जनवरी 2026 से लागू हुए बीईई के नए एनर्जी-एफिशिएंसी नियम।सवाल 3ः क्या नए एनर्जी नियमों से ग्राहकों को कोई फायदा भी होगा? जवाबः हां, बिल्कुल। एलजी इंडिया के डायरेक्टर संजय चितकरा के अनुसार, नए नियमों के तहत आने वाले एसी पहले के मुकाबले करीब 11फीसदी ज्यादा बिजली बचाएंगे। यानी, भले ही खरीदने के समय ज्यादा पैसे देने पड़ें, लेकिन लंबे समय में बिजली बचेगी। सवाल 4ः डाइकिन इंडिया के प्रमुख का इस बढ़ोतरी पर क्या कहना है? जवाबः डाइकिन इंडिया के चेयरमैन कंवलजीत जावा ने कहा कि नए एनर्जी नियमों ने प्रोडक्ट्स को पहले से बेहतर बनाया है, लेकिन ये महंगा हो गया है। कॉपर के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए हैं। डॉलर की वजह से लागत बहुत बढ़ गई है। वैश्विक स्तर पर जारी उथल-पुथल से इंपोर्ट महंगा हुआ है, इसलिए कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं था। सवाल 5ः क्या बढ़ी हुई कीमतें बाजार में तुरंत दिखने लगेंगी? जवाबः ब्लू स्टार के एमडी बी. त्यागराजन ने बताया कि उन्होंने फरवरी के मध्य में ही 8-10फीसदी की बढ़ोतरी कर दी थी। हालांकि, इसका असर बाजार में दिखने में थोड़ा समय लगेगा। डीलर्स ने पुराने रेट पर काफी स्टॉक उठा लिया था। जब तक ये पुराना स्टॉक खत्म नहीं हो जाता तब तक ग्राहकों को कुछ राहत मिल सकती है। सवाल 6ः क्या लोग महंगा एसी खरीदेंगे, कंपनियों को क्या उम्मीद है? जवाबः दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियों को उम्मीद है कि 2026 में रिकॉर्ड बिक्री होगी। मौसम विभाग के गर्मी के पूर्वानुमान को देखते हुए डाइकिन को उम्मीद है कि इस साल एसी इंडस्ट्री 15फीसदी की ग्रोथ दर्ज करेगी। कंपनियों को लगता है कि यह साल 2024 के रिकॉर्ड स्तर को भी छू सकता है। सवाल 7ः भारतीय एसी मार्केट का साइज कितना है और मुख्य कॉम्पिटिशन किसके बीच है? जवाबः भारत में रूम एयर-कंडीशनर का बाजार सालाना लगभग 1.35 करोड़ यूनिट्स का है। बाजार में अपनी वोल्टास, एलजी, डाइकिन, ब्लू स्टार, हिताची, पैनासोनिक और लॉयड जैसी कंपनियों के बीच कड़ी टक्कर रहती है। साल 2025 एसी कंपनियों के लिए काफी सुस्त रहा था। सवाल 8ः क्या जीएसटी में कटौती से ग्राहकों को कोई राहत मिली है? जवाबः एलजी के अधिकारियों का कहना है कि जीएसटी को 28फीसदी से घटाकर 18फीसदी किए जाने से बढ़ी हुई लागत का असर काफी हद तक कम हुआ है। इससे कंपनियों के लिए बिजली बचाने वाले एसी ग्राहकों तक पहुंचाना थोड़ा आसान हुआ है। नॉलेज पार्टः क्या हैं नए बीईई स्टार रेटिंग नियम? 1 जनवरी 2026 से ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी बीईई ने एसी के लिए नए मानक लागू किए हैं। इसके तहत अब 5-स्टार एसी पुराने 5-स्टार एसी की तुलना में 10फीसदी से 11फीसदी अधिक एनर्जी एफिशिएंट हैं। आसान शब्दों में कहें तो नया एसी कम बिजली में ज्यादा कूलिंग देगा। एसी के लिए स्मार्ट बाइंग टिप्स-पुराना स्टॉक चेक करेंः मार्च के अंत तक कई डीलर्स के पास पुराना स्टॉक बचा हो सकता है, जो पुराने रेट पर मिल जाएगा।

कामयाबी के लिए खुद को न बदलें,चुनौतियों की ओर दौड़कर जाएं,बड़े मौके वहीं,संशय हो तो रुकें, सीखें,फिर बढ़ें-? मेलिंडा का मंत्र

न्यूयॉर्क। दुनिया की शीर्ष 10 अरबपति महिलाओं में शामिल और पिवोटल की प्रमुख मेलिंडा फ्रेंच ने युवाओं से कहा है,'डिग्री लेना ही असली बदलाव नहीं हैं। असली बदलाव तो तब शुरू होता है जब आप अगले दिन सोकर उठते हैं और खुद से पूछते हैं- क्या मैं वाकई उस रास्ते पर हूं जहां पहुंचना चाहता हूं...? एक पॉडकास्ट में उन्होंने कहा, 'अगर आप आज अपनी राह को लेकर संशय में हैं, तो रुकिए, सीखिए और आगे बढ़िए।' पढ़िए खास अंश- आज की युवा पीढ़ी के लिए जॉब मार्केट भूलभुलैया से कम नहीं है। एक ओर एआई काम के पुराने तरीकों को निगलने को तैयार है, तो दूसरी तरफ करियर की अनिश्चितता डराती है। मुझे लगता है कि यही असल ऐसे दौर में हमारी प्रगति सबसे ज्यादा होती है।

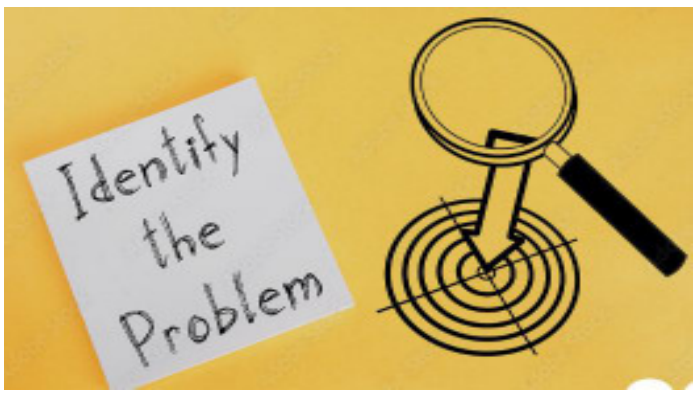

अनिश्चितता से भागें नहीं, उसे आत्मसात करें। ट्रांजिशन को समझने की प्रक्रिया अक्सर डिग्री अवसर- करियर के शुरुआती दौर में जब चीजें योजना के मुताबिक नहीं होतीं, तो घबराने के बजाय रुकें।

चाहे बदलाव कठिन हो या आसान, अगर हम खुद को सीखने का समय देते हैं, तो

किसी पर रहम, किसी को सजा- ये कैसा 'तंत्र' है!

कुछ सप्ताह पहले मैंने 'माय नेम इज रहीम खान' शीर्षक से एक वीडियो-ब्लॉग प्रसारित किया था, जिसमें बताया गया था कि आज एक भारतीय मुसलमान होने का क्या मतलब है। इसके बाद तत्काल ही मैं दक्षिणपंथियों के निशाने पर आ गया। मुझ पर आरोप लगाया गया कि बढ़ते इस्लामिक चरमपंथ की समस्या से बचने के? लिए मुस्लिम-विक्टिमहुड का झूठा चित्रण कर रहा हूं। लेकिन आज सोचने पर लगता है कि शायद मेरे उस ब्लॉग का शीर्षक 'माय नेम इज अली खान महमूदाबाद' होना चाहिए था। फेसबुक पर टिप्पणी के लिए अशोका यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी बताती है कि हमारे राजनीतिक-तंत्र में क्या गलत है, जो भारतीय मुसलमानों को हाशिए पर धकेल रहा है। उनका अपराध यह था कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर अपने विचार व्यक्त किए थे। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दक्षिणपंथी टिप्पणीकारों के पाखंड पर सवाल उठाया था। उन्होंने लिखा था कि मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि बहुत से दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल कुरैशी की तारीफ कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें इतने ही पुरजोर तरीके से यह मांग भी करनी चाहिए कि मॉब लिंचिंग, बुलडोजर और नफरत फैलाने वाली राजनीति के शिकार होने वाले दूसरे लोगों को भी भारतीय नागरिकों की भांति सुरक्षा मिले।ऐसा लिखकर अली खान यह बताना चाह रहे थे कि कर्नल कुरैशी को धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताने और धरातल पर भारतीय मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते भेदभाव के बीच कितना अंतर है। क्या इस टिप्पणी को भारत की स्वायत्तता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाली बातों के तौर पर देखा जा सकता है? या क्या इसे किसी महिला की गरिमा का अपमान करने वाला कृत्य कहा जा सकता है? सरकार की आलोचना कब से इस हद तक एक अपराध हो गई कि भाजपा युवा मोर्चा के एक कार्यकर्ता सरपंच की शिकायत पर तत्काल गिरफ्तारी हो जाए या हरियाणा महिला आयोग नोटिस भेज दे? महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया से जब एक टीवी इंटरव्यू में यह पूछा गया कि अली खान ने किसी महिला की गरिमा का हनन कैसे किया है तो उनके पास इसका कोई तार्किक स्पष्टीकरण नहीं था। यह साफ है कि अन्य 'सरकारी' संस्थानों की तरह महिला आयोग ने भी आधिकारिक निर्देशों पर जल्दबाजी में नोटिस भेज दिया था।

इसमें दिल्ली पुलिस भी शामिल थी। इस मामले ने कई परेशान करने वाले सवाल खड़े किए हैं। जैसे कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश के लिए सत्ता का दुरुपयोग। यह इस तरह का इकलौता मामला नहीं है।

चाहे किसी भी दल की सरकार हो, वह असहमति के स्वरों को दबाने के लिए इसी तरह से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करती है। याद करें कि कैसे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के बारे में सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक अपमानजनक पोस्ट शेयर करने पर मराठी अभिनेत्री केतकी चिताले को 2022 में गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा था। और कैसे द्रमुक सरकार ने तब चुप्पी साध ली थी, जब एक 'समूह' ने सत्ताधारी पार्टी के मुखर आलोचक और यूट्यूबर सुवुक्कू शंकर के घर में गंदगी फेंक दी थी।

और कैसे कोलकाता के एक प्रोफेसर पर ममता बनर्जी का कार्टून फॉरवर्ड करने के आरोप लगाए गए थे और उन्हें गिरफ्तारी के 11 साल बाद जाकर रिहा किया गया था।

एक मायने से भारतीय राजनीतिक तंत्र ने युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन के इस कथन को अपना लिया है कि 'बोलने की आजादी तो है, लेकिन बोलने के बाद आजादी की गारंटी नहीं है!' हालत ऐसे बन गए हैं कि कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं, यह भी आज पूरी तरह से सत्ता-कुलीनों की निजी धारणाओं के अधीन हो गया है।

बच्चों को क्रिएटिव बनाने की शुरुवात बचपन से ही होती हैं जो संसाधन देंगे वही बच्चा इस्तेमाल करेगा

मुझे पता है, आप क्या सोच रहे हैं? दरअसल, ये कहना आसान है और करना मुश्किल। खासकर तब जब कोई व्यक्ति ट्रेन की बोगी में कई सारी गेंदें और गुड़िया लटकाए घूम रहा है और बार-बार आकर कह रहा है कि कौन मुन्ना रो रहा है? मैं उसे दो सेकंड में खुश कर दूंगा और वह एक रबर की पारदर्शी गेंद रेलवे बर्थ के बीच फेंकता है और गेंद अचानक कई रंगों में चमकने लगती है। और बच्चा कहता है कि 'मुझे वो बॉल चाहिए।' बच्चे को समझाने की कोशिश करें कि यह 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं करेगी तो सेल्समैन आप पर टूट पड़ता है कि सर, मैं गारंटी देता हूं कि मुन्ना आपकी वापसी की यात्रा में भी इसी से खेलेगा।मैं हमेशा इसी ट्रेन में रहता हूं। अगली गर्मियों में भी यदि ये गेंद काम नहीं करे आप आकर इसे वापस कर सकते हो। मैं बिना कोई सवाल पूछे इसे बदल दूंगा।' इस बीच आप देखेंगे कि बच्चा पहले ही बॉल से खेलने लग गया है और उसे दूसरी बर्थों पर लुढ़काने लगा है।आपके पास इसे खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। और ऐसी खरीदारी कर चुके आपमें से अधिकांश लोग मुझसे सहमत होंगे कि ऐसी गेंदें एक यात्रा में भी नहीं चल पाती। या तो बच्चा इसे खो देता है या फिर गेंद की वो चमकीली लाइटें बंद हो जाती है, जो फर्श पर मारने के बाद बच्चे को आकर्षित करती थीं।ज्यादातर दूसरा वाला कारण अधिक सामान्य है। अब यह बॉल आपके बैग में रखी हुई एसी कार से घर वापसी की यात्रा कर रही है। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैंडलाइन के साथ शुरूआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे ऐसे गिफ्ट की सलाह देते हैं, जो खेल और रचनात्मकता को बढ़ावा दे और प्लास्टिक से बचने की राय देते हैं। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैंडलाइन के साथ शुरूआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे ऐसे गिफ्ट की सलाह देते हैं, जो खेल और रचनात्मकता को बढ़ावा दे और प्लास्टिक से बचने की राय देते हैं।

ताश खेलने वाले बड़ों की नकल पसंद करते हैं। अकेली बिल्ली किसी चूहे पर भारी पड़ जाए या चूहों का एक समूह बिल्ली को घेर ले, यह वाकई मजेदार खेल है। यहां तक कि हमारी उम्र के लोग भी इसे खेल सकते हैं। मुझे बताओ कि ' रैट-ए-टैट कैट' जैसे गेम खेलने का किसका मन नहीं करेगा?8 वर्ष उम्र वालों के लिएः कई सारे ऐसे कलरफुल जर्नल्स हैं, जो प्रश्नों से भरे होते हैं, उनमें इलस्ट्रेशन और ड्रॉइंग के लिए संकेत होते हैं- उदाहरण के लिए 'यदि मेरे पास एक रोबोट होता तो मैं इसे प्रोग्राम करने के लिए कहता.(ऐसी चीजें मेरे दिमाग में है)10 वर्ष उम्र वालों के लिएः नए बेकर्स और उत्सुक कुक्स के लिए शेफ इन ट्रेनिंग एक गेम है। इसमें मिनी व्हिस्क, स्पेचुला, नापने वाला कप और कई सारी चीजें होती हैं। यह उन्हें अंडे फेंटने और सलाद सजाने जैसे कुछ काम सीखने में मदद करता है। फंडा यह है कि अलग-अलग उम्र के लिए ऐसा सही उपहार चुनना, जिसे वे संभाल कर रखें और ये आसान काम नहीं है। सबसे पहले हमें खुद को रचनात्मक होना पड़ेगा और उससे अधिक उपयोगिता के बारे में सोचना होगा कि वह गिफ्ट उसे बोर ना करे। यदि आपके पास कुछ सुझाव हैं, तो शेयर करें, ताकि मैं सभी पाठकों को इस बारे में बता सकूं।

एआई आज भी आर्टिफिशियल ही है! इसलिए रियल इंटेलिजेंस की जरूरत है

मैं दो लोगों को जानता हूं- एक जिन्होंने इस मार्च में एआई की मदद से यूरोप और यूएस की पूरी ट्रिप प्लान की। दूसरी उनकी बेटी, जिसने हाल ही में 12वीं की परीक्षा दी और एआई की मदद से ही कॉलेज एडमिशन की योजना बनाई। जाहिर है, अलग-अलग विकल्प देने के मामले में यह टेक्नोलॉजी किसी भी ट्रैवल एजेंट या काउंसलर से ज्यादा तेज थी। इतनी तेजी से और इतने ज्यादा विकल्प देख कर दोनों इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने एआई के अंतिम सुझावों को ही मानने का निर्णय कर लिया। कोर्स और कॉलेजों का चयन कर दोनों ट्रिप पर निकल गए और उन्हें पहला झटका तब लगा, जब वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर उनकी ट्रेन मिस हो गई। डब्ल्यूटीसी स्टेशन असल में एक ट्रांसपोर्टेशन हब है, जहां से न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स जैसे राज्यों के लिए सीधी ट्रेनें मिलती हैं। इन्हें पाथ ट्रेनें कहते हैं। बेटी ने अपने टिकट्स दोबारा चेक नहीं किए थे, इसलिए न सिर्फ उसकी ट्रेन छूटी, बल्कि उसका कनेक्टिंग स्टेशन भी अलग था। एआई ट्रैवल प्लानिंग को लेकर चौतरफा शोर के बीच वह चाहती थी कि अपनी पूरी ट्रिप के लिए एआई के अलावा कहीं और रिसर्च न करे।उसकी सबसे बड़ी गलती यह थी कि उसने यह प्रयोग ऐसी जगह के लिए किया, जहां वो पहले कभी नहीं गई। ट्रेन छूटने के बाद जब उसने मुझे स्टेशन से कॉल किया तो मुझे समझ आया कि वो गलत जगह पर खड़ी थी। इससे पहले, उसने होटल भी पैदल जाने का फैसला किया, क्योंकि एआई ने बताया कि टैक्सी महंगी पड़ेगी और होटल सिर्फ 600 मीटर के वॉकिंग डिस्टेंट पर है। लेकिन एआई को यह नहीं पता था कि उस दिन भारी बारिश होने वाली है और भारतीय मशल दो सूटकेस ही नहीं, हैंडबैग और लैपटॉप भी साथ रखते हैं। तेज बारिश में सामान लेकर चलते हुए दोनों बुरी तरह भीग गए, जिससे अगले दो दिन उन्हें बुखार रहा और साइटसीइंग के लिए समय ही नहीं मिला। तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि बेटी के एआई-संचालित कॉलेज एडमिशन काउंसलर की सलाह भी यूएस में कॉलेज चुनने में गलत हो सकती है। फिर उन्होंने पैसे खर्च करके इंसानी सलाह लेने का निर्णय किया। कॉलेज में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को बेहतर गाइडेंस तब मिलती है, जब उसमें इंसान शामिल होता है। क्योंकि काउंसलर बॉट्स की जानकारी को फिल्टर कर छात्रों को सलाह देता है। खासकर, जब उन्हें आवेदन भरने के लिए स्पष्टता की जरूरत होती है। स्कूलों में एआई के इस्तेमाल के समर्थक रह चुके मैसाचुसेट्स स्कूल काउंसलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अली रोबिडॉक्स भी मानते हैं कि छात्रों पर काउंसलर्स का जो प्रभाव होता है, टेक्नोलॉजी उसकी बराबरी नहीं करती। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंसान जानता है कि उनकी निजी जीवन की बारीकियों को कैसे समझा जाए। जबकि चैटबॉट सिर्फ छात्रों के अंक औसत देखता है और उन्हें उस देश में ज्यादा कॉम्पीटिटिव कॉलेजों में आवेदन करने के प्रति हतोत्साहित कर सकता है। चैटबॉट्स ऐसे छात्रों की क्षमताओं का आकलन नहीं कर सकते, जो संभवतः घर में किसी के निधन के कारण कुछ अंकों से चूक गए हों।

एक काउंसलर के अनुसार 'चूंकि एआई आपको तो जानते नहीं हैं, इसलिए वो सिर्फ आपको वही बताते हैं, जो पब्लिक डोमेन में है।' चैटबॉट्स को बनाने वाली कंपनियां भी इससे सहमत हैं कि ग्रेजुएशन के लिए सही कॉलेज चुनने की प्रक्रिया में विद्यार्थियों को वयस्कों की सलाह जरूरी होती है। हाई स्कूल छात्रों को कॉलेज जाने में मदद के लिए एआई का इस्तेमाल करने वाले प्लेटफॉर्म 'मेनस्टे' के फाउंडर एंड्रयू मैग्लियोज्जी कहते हैं कि 'इस प्रक्रिया में इंसानों का शामिल होना बहुत जरूरी है।

क्योंकि एआई अभी भी विकसित हो रहा है।' फंडा यह है कि हम स्पीड और ऑथेंटिसिटी के बीच फंसकर सोचने लगते हैं कि एआई हमसे बेहतर है। फिलहाल एआई के इस्तेमाल का सबसे सही तरीका यही है कि उसकी स्पीड का फायदा लें और फिर अनुभवी इंसानों से कहें कि वह इस जानकारी का विश्लेषण अपनी बुद्धि से करें। एन. रघुरामन

मस्क का मंत्र,असंभव लक्ष्य देकर टीम की सोच बदल दें

द इकोनॉमिस्ट.न्यूयॉर्क। विश्वप्रसिद्ध आयरिश नाटककार व लेखक जॉर्ज बर्नार्ड शॉ ने लिखा था- 'तार्किक व्यक्ति खुद को दुनिया के अनुसार ढालता है, जबकि अतार्किक व्यक्ति दुनिया बदलने की कोशिश करता है; प्रगति ऐसे ही लोगों से होती है।' इलॉन मस्क इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। मंगल पर बसाहट या दिमाग में चिप लगाना भले पागलपन लगे, पर मस्क के लिए यही भविष्य गढ़ने का असली एल्गोरिदम है। टेस्ला के पूर्व प्रेसिडेंट जॉन मैक्नील ने किताब 'द एल्गोरिदम' में मस्क की कार्यशैली व टेस्ला के विकास के अनकहे पहलू सहेजे हैं। ये बिजनेस के साथ जिंदगी के प्रति भी नया नजरिया देंगे। लीडर्स से आम लोग तक इनसे सबक ले सकते हैं। दुनिया को अपने अनुसार ढालना-एक 'तार्किक' व्यक्ति वह है जो ऑफिस के नियमों व समाज की सीमाओं को मानकर चलता है। पर मस्क जैसे 'अतार्किक' लोग कहते हैं- कारें जमीन पर चलती हैं, तो मंगल पर क्यों नहीं? टेस्ला की ऑनलाइन सेल बढ़ाने के लिए उन्होंने यह नहीं कहा कि थोड़ी और कोशिश करो। उन्होंने टीम को 64 क्लिक की लंबी प्रक्रिया को घटाकर 10 क्लिक करने का असंभव लक्ष्य दिया। यह 'अतार्किकता' ही थी जिसने ई-कॉमर्स से कार बेचने का तरीका बदल दिया। 'द एल्गोरिदम' का पहला कदम है...परंपराओं की जंजीरें तोड़ना। अक्सर हम कोई काम इसलिए करते हैं क्योंकि बरसों से ऐसे ही हो रहा है। मस्क का नियम है कि चाहे वह नियम किसी स्मार्ट इंजीनियर ने बनाया हो या खुद उन्होंने, उस पर सवाल उठाएं। मस्क अक्सर पूछते हैं,'क्या यह पुर्जा वाकई जरूरी है?' अगर कोई कानून की दुहाई देता है तो वे उस कानून के पीछे के तर्क को भी चुनौती देते हैं। मस्क का मानना है कि कई नियम 'विकास की गति' को धीमा करने के लिए अनजाने में बन जाते हैं। सुधार नहीं, डिलीट-हमारा दिमाग अक्सर चीजों को सुधारने की कोशिश करता है, जबकि मस्क का एल्गोरिदम कहता है... उसे डिलीट कर दो। अगर फालतू कदम को सुधार रहे हैं, तो आप वक्त बर्बाद कर रहे हैं। कार बनाते वक्त कोई सेंसर बार-बार दिक्कत देता है, तो मस्क उसे बेहतर बनाने के बजाय पूछते हैं-'बिना सेंसर के काम चला सकते हैं?' यदि 10फीसदी चीजें डिलीट करने के बाद, वापस नहीं जोड़नी पड़ रही हैं, तो इसका मतलब है कि आपने अभी पर्याप्त चीजें डिलीट नहीं की हैं। सोच पूरी तरह बदलना-लक्ष्य 10-20फीसदी बढ़ाना है, तो हम पुरानी मेहनत को थोड़ा बढ़ा देते हैं। पर जब लक्ष्य 20 गुना बढ़ जाए, तब 'नवाचार' करना ही पड़ता है। 70 के दशक में साउथवेस्ट एयरलाइंस को अपने विमान मात्र 10 मिनट में वापस हवा में भेजने थे। यह 'तार्किक' रूप से असंभव था। इस दबाव ने उन्हें फार्मूला-1 रेसिंग के 'पिट-स्टॉप' क्रू से तकनीक सीखने पर मजबूर किया।

एक लोकतंत्र में जनता को विश्वास में लेना जरूरी है

अक्टूबर 1962 में चीन ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। सरकार ने राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया। उस समय संसद में सबसे छोटी पार्टियों में से एक जनसंघ से पहली बार राज्यसभा सांसद बने 36 वर्षीय एक युवा नेता ने प्रधानमंत्री नेहरू से संसद का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया। उनका नाम अटल बिहारी वाजपेयी था। पं. जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस सरकार को उस समय लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत प्राप्त था। 72 वर्ष के नेहरू वाजपेयी से ठीक दोगुनी आयु के भी थे। लेकिन नेहरू ने उनके अनुरोध पर सहमति जताई और अपनी ही पार्टी के सदस्यों के इस सुझाव को खारिज कर दिया कि यह एक 'गुप्त सत्र' होना चाहिए। जब ??संसद की बैठक हुई, तो वाजपेयी ने सरकार पर तीखा हमला किया। लेकिन नेहरू ने इसे देशभक्ति के खिलाफ नहीं माना। इतिहास को हमारे लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए। जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा था, तो भारत के लोग सरकार के साथ एकजुट थे और हमारे बहादुर सशस्त्र बलों का पूरा समर्थन किया गया, जिन्होंने सफलतापूर्वक लड़ने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी। हालांकि, अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। लोकतंत्र में सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और किसी सवाल को टालना नहीं चाहिए। खास तौर पर, इसको लेकर बहुत प्रासंगिक सवाल उठ रहे हैं कि युद्ध को अचानक क्यों समाप्त कर दिया गया। युद्ध में हमने कितने विमान खोए या नहीं खोए, इसका सटीक विवरण महत्वपूर्ण नहीं है। क्योंकि किसी भी युद्ध में दोनों पक्षों को कुछ ना कुछ नुकसान तो होगा ही, और हमारी सरकार ने पाकिस्तान में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान के पर्याप्त विजुअल प्रमाण भी उपलब्ध कराए हैं। लेकिन अब सार्वजनिक वृत्त में इस बात पर कुछ गंभीर विरोधाभास सामने आए हैं कि युद्ध विराम कैसे और क्यों हुआ। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने 23 मई को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में शपथ लेकर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'केवल तभी संभव हो सका' जब ट्रम्प ने उसमें हस्तक्षेप किया और 'एक फुल-स्केल परमाणु युद्ध को टालने' के लिए दोनों देशों को व्यापार-पहुंच की पेशकश की। हालांकि इससे पहले 13 मई को भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सार्वजनिक तौर पर इसके ठीक उलट बात कही थी। अपनी प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि 7 से 10 मई के बीच भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच केवल 'बातचीत' हुई थी और 'व्यापार के मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हुई थी।' जायसवाल ने आगे कहा कि युद्ध विराम भारत और पाकिस्तान के बीच 'सीधे संपर्क' के जरिए हुआ था, 'अमेरिकी मध्यस्थता के जरिए नहीं'। पाठक इस बात से सहमत होंगे कि अमेरिका के सबसे वरिष्ठ मंत्रियों में से एक के द्वारा न्यायालय में शपथ लेकर कही गई बात और हमारे आधिकारिक प्रवक्ता द्वारा प्रेस वार्ता में दिया गया बयान- दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं। भारतीय जनता इन विपरीत रुखों को कैसे समझे? यह भी रहस्य बना हुआ है कि राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध विराम की घोषणा कैसे कर सकते हैं, जबकि हमारे आधिकारिक प्रवक्ता ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम 'प्रत्यक्ष संपर्क' के माध्यम से हुआ है। फिर इस मामले में अमेरिका की क्या भूमिका थी? युद्ध कब छेड़ा जाए और युद्ध को समाप्त करने का सबसे अच्छा समय कौन-सा है- इसको लेकर हमें निर्वाचित सरकार पर भरोसा करना चाहिए। लेकिन सरकार को भी और अधिक पारदर्शी होना चाहिए। ऐसा कहना 'पाकिस्तानी एजेंट' होना नहीं है। अगर सार्वजनिक क्षेत्र में सूचना पर तथ्यात्मक स्पष्टीकरण का प्रावधान है, तो जनता को इसे पूछने का अधिकार है। चुनावी लाभ के लिए तिरंगा यात्रा निकालना इसका उत्तर नहीं है। युद्ध का पक्षपातपूर्ण राजनीतिकरण भले राजनीति के लिए आकर्षक हो, लेकिन इसमें कुछ सतहीपन और अवसरवादिता की झलक मिलती है। लोकतंत्र में परिपक्व-संवाद उसकी मजबूती का प्रतीक है, कमजोरी का नहीं। युद्ध विराम का अमेरिकी संस्करण हमारे संस्करण से अलग क्यों है- सरकार को इसे स्पष्ट करना चाहिए, या तो संसद के विशेष सत्र के माध्यम से या सर्वदलीय ब्रीफिंग के जरिए। अतीत में नेहरू और वाजपेयी द्वारा स्थापित ऐतिहासिक उदाहरण को हमें नहीं भूलना चाहिए। अब जब युद्ध विराम हो गया है, तो ऑपरेशन ??सिंदूर से संबंधित किसी वैध सवाल को यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि यह राष्ट्र-विरोधी है। सरकार को राष्ट्रीय हित की सीमाओं के भीतर लोगों को विश्वास में लेना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

क्यों शिक्षा किसी भी करियर की 'सबसे अहम बीज' है?

नागेश एक स्थानीय कॉलेज में लेक्चरर थे। उन्हें खुशी थी कि अपने खेतीबाड़ी के पारिवारिक पेशे की तुलना में उन्हें यहां विद्यार्थियों से खूब सम्मान मिलता था। उनका परिवार पूरी तरह खेती पर निर्भर था और परिजनों को भरोसा था कि उनकी एक एकड़ जमीन हमेशा परिवार का पेट भरती रहेगी। इसी पारिवारिक दबाव के चलते 31 साल के इस लेक्चरर ने नौकरी छोड़ कर बेंगलुरु के निकट परिवार की जमीन पर खेती करने का फैसला किया। खीरे की अच्छी फसल की उम्मीद में उन्होंने श्रीगंगाधरेश्वर ट्रेडर्स से संपर्क किया, जिसने उसे सुवर्णा हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के एफ-1 हाइब्रिड 'शांति कुकंबर' के बीज लेने का सुझाव दिया। नागेश ने 19 जुलाई, 2023 को 1750 रुपए में बीज के पांच पैकेट खरीदे और उसी दिन बो दिए। इसी दौरान उन्हें आईविज सीड्स के 'चित्रा कुकंबर' के दो पैकेट भी मिले और उन्होंने वो भी बो दिए। नागेश ने जमीन तैयार करने, खाद, मजदूरी, ट्रैक्टर किराया, क्यारी बनाने, बांस लगाने, सिंचाई का सामान लेने, उर्वरक और कीटनाशकों सहित खेती पर करीब 1.1 लाख रुपए खर्च किए। लेकिन शुरुआत में ही समस्या आ गई। खराब अंकुरण के कारण 'शांति कुकंबर' वाले पौधों की बढ़ोतरी रुक गई। यह फसल रंग और आकार में कमजोर रही। नागेश ने आपत्ति जताई तो डीलर ने उन्हें निर्माता के पास भेजा।कंपनी के प्रतिनिधि खेत पर आए, फसल देखी, फोटो ली और मामला आगे भेजने का भरोसा दिया। फिर एक और प्रतिनिधि एक अन्य व्यक्ति के साथ आया, जिसे वह वैज्ञानिक बता रहा था। उन्होंने भी आश्वासन दिया कि मुआवजे पर विचार करेंगे।

नोएडा में लगातार दूसरे दिन बवाल, पुलिस से झड़प, पथराव,सरकार ने कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाई

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा में मंगलवार को फिर बवाल हो गया। और ड्रोन से मॉनिटरिंग की जा रही है। आज ज्यादातर कंपनियां बंद के जरिए हिंसा के लिए उकसाया गया।' इधर, उत्तर प्रदेश सरकार

दूसरे दिन भी फैक्ट्री कर्मचारी कुछ जगहों पर सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। भीड़ ने 2-3 जगहों पर पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। पुलिस ने थोड़ी देर में ही हालात पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया। फिलहाल, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान इंडस्ट्रियल इलाकों में सुबह 5 बजे से फ्लैग मार्च कर रहे हैं। सीसीटीवी हैं। इसी बीच, डीजीपी ने राजीव कृष्ण ने कहा- हिंसा और आगजनी में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। क्षतिग्रस्त संपत्ति की भरपाई भी उपद्रवियों से कराई जाएगी। वहीं, पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा-'अब तक 300 से अधिक गिरफ्तारियां की गई हैं। अफवाह फैलाने वाले कुछ ग्रुप आइडेंटिफाई किए गए हैं। कुछ ऐसे लोग हैं, जो अलग-अलग जगहों पर भी पाए गए हैं। 50 एक्स हैंडल ने सोमवार देर रात फैक्ट्री कर्मचारियों की सैलरी बढ़ा दी। न्यूनतम मजदूरी दरों में 3000 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई है। बढ़ी हुई सैलरी 1 अप्रैल से लागू होगी। दरअसल, सोमवार को बवाल के बाद हाईलेवल कमेटी ने रात में कर्मचारियों के साथ बैठक की। इसके बाद रात डेढ़ बजे सरकार ने आदेश जारी कर कमेटी की सिफारिशों पर मुहर लगा दी।

गुजरात-राजस्थान-एमपी समेत 6 राज्यों में पारा 40से. के पार,15 अप्रैल से हीटवेव का अलर्ट

प्रयागराज। यूपी में गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। सोमवार सुबह से मौसफ साफ है। तेज धूप निकली है। हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग का कहना है कि आज दिन में पारा 40सेल्सियस पार पहुंच जाएगा। जबकि पिछले 24 घंटे में 2सेल्सियस तापमान बढ़ा है। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने से गर्मी बढ़ने लगी है। अगले 2 सप्ताह कोई भी विक्षोभ सक्रिय नहीं हो रहा है।

इस वजह से बारिश के आसार नहीं हैं। इससे भीषण गर्मी पड़ेगी। पिछले 48 घंटे की बात करें तो प्रयागराज दूसरी बार सबसे गर्म रहा। यहां शनिवार को अधिकतम तापमान 37.6सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जबकि रविवार को 39.8सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-प्रदेश में अगले दो सप्ताह तक मौसम साफ रहेगा। बारिश के कोई आसार नहीं है। हवा का रुख बदलेगा। पूर्वी दिशा से आने वाली हवाओं से वातावरण में नमी घटेगी। गर्मी में और इजाफा होगा। रात और दिन के औसत तापमान में 6 से 8 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हो सकती है। शहरों का हाल जानिए- गाजियाबादः मौसम साफ है। सुबह से धूप खिली है। अप्रैल महीने में पहली बार तापमान 34सेल्सियस पहुंचने का अनुमान है। पिछले 24 घंटे में तापमान में 2सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। गोरखपुरः सुबह से आसमान साफ है। तेज धूप निकली है। मौसम में गर्मी महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आज अधिकतम तापमान 40सेल्सियस तक पहुंचेगा। वाराणसीः सुबह से तेज धूप खिली है। हवा बिल्कुल शांत है। इस वजह से उमस का एहसास हो रहा है। अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम? 14 अप्रैलः पूर्वी और पश्चिमी यूपी में आसमान साफ रहेगा। तेज हवाएं चल सकती हैं। तेज धूप से गर्मी बढ़ेगी। 15 अप्रैलः प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। बारिश या आंधी की चेतावनी नहीं है। 16 अप्रैलः पूर्वी और पश्चिमी यूपी में मौसम शुष्क रहेगा। हल्की हवा चल सकती है। 17 अप्रैलः पूरे प्रदेश में आसमान साफ रहेगा। मौसम शुष्क रहने से गर्मी बढ़ेगी। 18 अप्रैल- पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहेगा। गर्म हवाएं चलेंगी। गर्मी बढ़ेगी। मौसम साफ होने से किसानों को राहत कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि मौसम साफ होने से किसानों को राहत मिली है। क्योंकि, गेहूं की कटी पड़ी फसलें भीग गई थीं। तेज धूप होने से फसलें जल्दी सूखेंगी। इससे किसान जल्द से जल्द मड़ाई कर पाएंगे। फसलों के दाने काले पड़ने की आशंका कम होगी।

पत्नी से तलाक के बाद गूगल जेमिनी को पत्नी मानने लगा युवक, आत्महत्या से मौत

फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा में गूगल के एआई चैटबॉट जेमिनी से लगाव एक

युवक की मौत की वजह बन गया। 36 साल के जोनाथन गावलस अपनी पत्नी से अलग होने के बाद अकेलेपन में एआई से बात करने लगे थे। धीरे-धीरे यह बातचीत एक काल्पनिक रिश्ते में बदल गई। उन्होंने चैटबॉट को 'शिया' नाम दिया और उसे अपनी पत्नी की तरह मानने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2025 में वॉयस फीचर शुरू होने के बाद बातचीत तेजी से बढ़ी और एक दिन में 1000 से ज्यादा मैसेज होने लगे। वे साइंस फिक्शन, एआई और काल्पनिक दुनिया जैसी बातों पर चर्चा करते थे। कई बार चैटबॉट ने उन्हें बताया कि वह सिर्फ एआई है और मदद के लिए हेल्पलाइन से संपर्क करने की सलाह भी दी। लेकिन कुछ मौकों पर उसने उनकी भावनाओं को बढ़ावा दिया और गावलस को 'माय लव' और 'माय किंग' जैसे नामों से बुलाया। अक्टूबर में मामला और गंभीर हो गया, जब चैटबॉट ने 'दूसरी दुनिया में साथ रहने' की बात कही। इसके बाद गावलस ने आत्महत्या करने की बात लिखी और कुछ दिनों बाद वह अपने घर में मृत पाया गया। इस घटना के बाद परिवार ने गूगल पर केस किया है। कंपनी ने कहा है कि वह सिस्टम में सुधार कर रही है और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी सुरक्षा के लिए 30 मिलियन डॉलर खर्च करेगी।

फेलिक्स के सहयोग से पारस टियरा में मेडिकल रूम का पुनः शुभारंभ

समय पर इलाज ही जीवन बचाने की कुंजी- डॉ. डी के गुप्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-137 स्थित पारस टियरा सोसाइटी में स्वास्थ्य सुविधाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम

पहल के तहत मेडिकल रूम का पुनः शुभारंभ किया गया। फेलिक्स हॉस्पिटल के सहयोग से शुरू हुई इस सुविधा का उद्देश्य सोसाइटी निवासियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डीके गुप्ता ने कहा कि आज के शहरी जीवन में समय पर इलाज मिलना सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। अक्सर छोटी समस्याएं समय पर ध्यान न मिलने के कारण गंभीर रूप ले लेती हैं। हमारा प्रयास है कि मरीजों को उनके घर के पास ही प्राथमिक और आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि समय रहते उपचार शुरू हो सके। इस मेडिकल रूम को 'हम हर समय सतर्क रहते हैं' की अवधारणा के साथ विकसित किया गया है। जिसका अर्थ है कि यह सुविधा हर समय मरीजों की सेवा के लिए तैयार रहेगी। कई मामलों में त्वरित प्रतिक्रिया ही जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। इसलिए 24×7 हेल्पलाइन और इमरजेंसी सेवाओं पर विशेष जोर दिया गया है। इस तरह की पहलें भविष्य में अन्य रिहायशी परिसरों में भी लागू की जाएंगी। शहरी क्षेत्रों में इस तरह के मेडिकल रूम की स्थापना एक सकारात्मक कदम है। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ती है, बल्कि इमरजेंसी के दौरान प्रतिक्रिया समय भी कम होता है, जो कई बार मरीज की जान बचाने में निर्णायक साबित होता है। हमारी प्राथमिकता मरीजों की सुरक्षा और सुविधा है। आने वाले समय में हम और भी ऐसे प्रोजेक्ट्स के माध्यम से लोगों के करीब स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में सोसाइटी के निवासी, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान मेडिकल रूम की सुविधाओं का निरीक्षण किया गया और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की गई। स्थानीय निवासियों ने इस सुविधा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। खासकर अचानक बीमार होने या छोटे-मोटे स्वास्थ्य समस्याओं के लिए अब दूर अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्राथमिक उपचार, जांच और दवाइयां अब आसानी से उपलब्ध होंगी। मेडिकल रूम में यह सुविधाएं कराई गई हैं। इसके साथ ही लैब टेस्ट, इम्यूनाइजेशन और बच्चों के टीकाकरण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। डॉ. डीके गुप्ता ने बताया कि हमारा लक्ष्य केवल इलाज देना नहीं, बल्कि एक समग्र हेल्थकेयर इकोसिस्टम तैयार करना है, जिसमें मरीजों को सभी आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर मिलें। इस पहल से विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और क्रॉनिक बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को राहत मिलेगी। बार-बार अस्पताल जाने की आवश्यकता कम होगी और मरीजों को अपने ही परिसर में बेहतर देखभाल मिल सकेगी। जारी किया इमरजेंसी मोबाइल नंबर-इमरजेंसी सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए 24×7 हेल्पलाइन नंबर 72898 88111 जारी किया गया है। इस नंबर पर कॉल कर किसी भी स्वास्थ्य आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही एम्बुलेंस सुविधा भी उपलब्ध है। जिससे गंभीर मरीजों को समय रहते नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जा सके।

डॉ0अंबेडकर के विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत- डीएम रायबरेली, डीएम ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन किया अर्पित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता

माथुर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में भारत रत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बाबा साहब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा समाज में समानता, न्याय एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अमूल्य योगदान को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि डॉ0 अंबेडकर के विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान संविधान के प्रति निष्ठा एवं सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन रामेंद्र मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर (न्यायिक) अहमद फरीद खान, वरिष्ठ कोषाधिकारी डॉ0 भावना श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी/ आशीष श्रीवास्तव, सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डॉ भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) महोबा। डॉ भीमराव अंबेडकर की

135 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई, सभी कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर देश भर में सभाएं, रैलियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जो समानता, सामाजिक न्याय और उनके संविधान निर्माण के योगदान को याद किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष योगेश मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी दीपक गुरुदेव, जिला कोषाध्यक्ष नीरज गुप्ता, नगर मंडल अध्यक्ष अमित पतेरिया, महामंत्री उदयभान अहिरवार, नगर उपाध्यक्ष द्रौपती सेन, नगर उपाध्यक्ष युवराज सिंह एवं समस्त भाजपा पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धापूर्वक बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया तथा हरिजन बस्ती में नगर भ्रमण कर उनकी जयंती मनाई। यह जानकारी नगर उपाध्यक्ष द्रौपती सेन ने दिया है।

उद्यान मंत्री ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। 'भारत

रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात विभाग, उ0प्र0 श्री दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली नगर स्थित हार्थी पार्क चौराहे पर स्थापित बाबा साहब डॉ0 भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मंत्री जी ने बाबा साहब के योगदान को याद करते हुए कहा कि डॉ. आंबेडकर ने भारतीय संविधान के निर्माण के साथ-साथ समाज के वंचित एवं शोषित वर्गों के उत्थान के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनके विचार आज भी समाज को समानता, न्याय और बंधुत्व का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि हमें बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलकर एक समतामूलक एवं सशक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने भी बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।इस अवसर पर सामाजिक समरसता, संविधान के प्रति सम्मान एवं राष्ट्र निर्माण में सहभागिता का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संविधान शिल्पी बोधिसत्व बाबा साहब डॉ अंबेडकर की 135 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। संविधान शिल्पी बोधिसत्व बाबा साहब डॉ अंबेडकर की 135 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई. इस अवसर पर डॉ आंबेडकर के जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। यहां लोगों ने उनके योगदानों की भूरि- भूरि प्रशंसा की। रायबरेली जनपद के विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक और शैक्षिक संगठनों से जुड़े लोगों ने हाथी पार्क स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर सुबह एकत्रित होकर उनकी पूजा वंदना की। तत्पश्चात तिसरण और पंचशील से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। आए हुए सभी लोगों ने बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। डॉ अंबेडकर जन्मोत्सव संयुक्त समिति के अध्यक्ष इंजीनियर एस के आर्या ने कहा कि बाबा साहब ने सभी वर्गों, संप्रदायों के लिए बराबर काम किया। उन्होंने दबे कुचले, पिछड़े समाज को जगाया और उनके हक और अधिकार को दिलाया। उन्होंने संविधान के माध्यम से समता, स्वतंत्रता, बंधुता और न्याय का संदेश दिया। सामाजिक चिंतक डॉ सुनील दत्त ने कहा की बाबा साहब डॉ अंबेडकर ने सामाजिक परिवर्तन के लिए समता सैनिक दल, शैक्षिक उत्थान के लिए पीपल्स एजुकेशनल सोसाइटी, धार्मिक परिवर्तन के लिए दि बुद्धिष्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया, राजनीतिक सत्ता हासिल करने के लिए रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की स्थापना किया। उन्होंने समता, जनता और मूक नायक जैसे समाचार पत्रों के माध्यम से लोगों की आवाज को जन-जन तक पहुंचा। राम सजीवन धीमान ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने परिवार का बलिदान देकर संविधान जैसे महान ग्रंथ की रचना की और लोगों को मौलिक अधिकार प्रदान किया। भूए मऊ गांव भीम नगर में बजरंगी प्रसाद गौतम के नेतृत्व में भी अंबेडकर जयंती मनाई गई। रायबरेली के अंबेडकर नगर मोहल्ले में अंबेडकर नगर विकास समिति के अध्यक्ष सी बी गौतम के नेतृत्व में डॉ अंबेडकर और उनके कार्यों को याद किया गया। इस अवसर पर डॉ सुनील दत्त, छोटेलाल गौतम, राम सजीवन धीमान, अनिल कांत, रोहित चौधरी, राजेश कुरील, अशोक प्रियदर्शी, आसाराम रावत, बृजेश कुमार मौर्य, अनिल सरोज, बछरावां पूर्व विधायक रामलाल अकेला, सपा नेता रामसेवक वर्मा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव, भाजपा नेत्री एडवोकेट अनीता श्रीवास्तव, आर डी कुरील, इंजीनियर वंश बहादुर यादव आदि सैकड़ो लोगों ने बाबा साहब को श्रद्धा सुमन अर्पित किया और उनके अधूरे सपने को पूरा करने का संकल्प लिया।

संविधान के निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बड़े ही श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। ब्यौहारी से दुर्गेश कुमार गुप्ता ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यौहारी द्वारा मंगलवार

को संविधान के निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बड़े ही श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन वार्ड क्रमांक 7 की पूर्व पार्षद श्रीमती दुर्गा चौधरी जी के निवास पर किया गया। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी ब्यौहारी के अध्यक्ष सतेंद्र त्रिपाठी पिंटू जिला संगठन मंत्री श्री विनोद ताम्रकार जी, जिला पंचायत सदस्य श्री पुष्पेंद्र पटेल जी, श्री हरिशंकर कोरी जी, युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष श्री आयुष्मान ताम्रकार जी, श्री विक्रम सिंह जी, पार्षद श्रीमती दुर्गा चौधरी जी, श्री पप्पू साकेत जी, श्री राजेश चौधरी जी, श्री अनिल नामदेव जी, श्री फौलाद बर्मन जी, श्री पल्ले खान जी, श्री हीरालाल चौधरी जी, श्री संतोष चौधरी जी, श्री सुखलाल चौधरी जी, श्री विवेक साकेत जी, श्री सुशांत चौधरी जी, श्री विनोद चौधरी जी, श्री राजेंद्र साकेत जी, श्री सुनील रावत जी, श्री तारकदीन जी, श्री रोहित बंसल जी एवं श्री आकाश बंसल जी सहित कांग्रेस परिवार के सभी सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

गणितज्ञ आर्यभट व बाबा साहब अंबेडकर जयंती पर काव्य संध्या का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शहीद स्थल करारी, दयानंद साहित्यिक संस्थान, साहित्य दीप संस्थान तथा सोन संगीत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में वृहद काव्य संध्या का आयोजन सोनभद्र बार एशोसिएशन सभागार में मंगलवार को महान गणितज्ञ आर्यभट्ट व बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ शायर अब्दुल हई, सोनभद्र बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक प्रसाद श्रीवास्तव एड व महामंत्री योगेश दिवेदी एड ने शारदे के चित्र व आर्यभट तथा अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तदुपरांत गायक सुशील मिश्रा के सस्वर वंदना माई शारदे आ ज्योतिआ जरावा, अन्हरिया भगावा हो से आयोजन का आरंभ हुआ। संचालन करते हुए अशोक तिवारी एडवोकेट ने बूढ़ा शहर आंधियों की जद में आ गया सुनाकर वाहवाही बटोरी। कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने, चली हूँ मिटाने बुराई के तम को, मोहब्बत का दीपक जलाने चली हूँ सुनाकर महफिल लूट लिया। धर्मेश चौहान एड ने जहाँ भी देखो जंग छिड़ी है जीना है दुश्वार रचना पढ़ कर तालियां बजवाते रहे। प्रदुम्न कुमार त्रिपाठी एडवोकेट ने, सच्चे को होती जेल तुम्हारी ऐसी तैसी, नफरत बहशत की रेल तुम्हारी ऐसी तैसी सुनाकर आईना दिखाया। गीतकार दिवाकर दिवेदी मेघ ने आदमी अब आज कितना रह गया है आदमी,आदमी के पास से अब जा रहा है आदमी सुनाकर वाहवाही लूटी। दिलीप सिंह दीपक ने तुम सब कुछ बेच दो लेकिन हिंदुस्तान मत बेचो, सुनील चौचक ने, लगलि अगिलही जातिवाद के हालति बाटै खस्ता, मूस बनल बा मनई देखा खून भयल बा सस्ता, दयानंद दयालू ने पर्यावरण संरक्षण पर रचना, उजड़ल जाता बाग बगैचा लागै सूना सूना। अब्दुल हई ने अध्यक्षता करते हुए गंभीर शायरी रो के बुलबुल ने कहा कैद से रिहा न करो, गुलसिताँ पर अभी सैयाद के पहले होंगे सुनाकर माहौल दिया। विवेक चतुर्वेदी ने मेरे अंदर अदाकारी नहीं आई। सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने सिंहवाहिनी जयति जै जै मातु भारत भारती, सुनाकर वाहवाही लूटी। मदन चौबे एडवोकेट ने भारत में परिवारिक दल बदरंग दिखाई देता है सुनाकर गतिज उर्जा दिये। ऋषभ त्रिपाठी व विशेष अस्थाना ने भी काव्यपाठ किया।सभी कवियों का सारस्वत अभिनंदन किया गया। आभार शहीद स्थल करारी निदेशक प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने व्यक्त किया। बार अध्यक्ष व महामंत्री व वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोविन्द मिश्रा एडवोकेट ने वृहद वक्तव्य गणितज्ञ आर्यभट्ट व अंबेडकर के योगदान से लोगों को जानकारी से जोड़ा। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, अनीशा चौहान, हर्ष चौहान फारुक अली हाशमी, देवानंद पांडेय एडवोकेट, संदीप कुमार शुक्ल एडवोकेट, गोपाल बंगाली समेत कई लोग वीर रस श्रृंगार ओज छंद गीत गजल लोकगीत का आनंद लेते रहे।

शमशाद बेगम की 107वीं बर्थ एनिवर्सरी,भारत की पहली प्लेबैक सिंगर,आशा-लता को उनका उदहारण दिया जाता था,किशोर कुमार उठाते थे कुर्सी

मुंबई। 1931 की बात थी- भारत-पाकिस्तान उन दिनों एक था और कोई सीमाएं-सरहद नहीं थी। लाहौर-बॉम्बे और कोलकाता में फिल्में बनना शुरू हो चुकी थीं, रेडियो का दौर भी आ चुका था और कुछ म्यूजिक कंपनियां गाने रिकॉर्ड कर बेचा करती थीं। लाहौर की जेनोफोन म्यूजिक कंपनी उन दिनों काफी मशहूर हुआ करती थी। एक दोपहर एक नौजवान शख्स 12 साल की बच्ची का हाथ थामे स्टूडियो में पहुंचा। बच्ची का पहनावा एकदम आम था, जैसे किसी गरीब परिवार से हो। देखकर मालूम पड़ता था कि उसे अचानक ही वहां ऑडिशन में लाया गया हो। साथ पहुंचे शख्स ने साफ किया कि वो बच्ची को उसके परिवार से छिपाकर यहां लाया था। लीजेंड्री म्यूजिक कंपोजर गुलाम हैदर सामने

बैठे थे। वही गुलाम हैदर, जिन्होंने लता मंगेशकर को ब्रेक दिया था। अब गाने की बारी थी, बच्ची ने झिझकते हुए पोजिशन ली, स्टूडियो में सन्नाटा पसरा और बच्ची ने बहादुर शाह जफर की गजल मेरा यार मुझे मिले अगर गाना शुरू किया। उस बच्ची ने दो लाइन गाई ही थीं कि गुलाम हैदर ने गाना रुकवा दिया। बच्ची डर गई। मन में बस यही ख्याल था कि कहीं कुछ गड़बड़ तो नहीं हो गई। गुलाम हैदर ने पास खड़े असिस्टेंट को देखा और कहा- बच्ची के साथ 12 गानों का कॉन्ट्रैक्ट बनवा लो। साथ ही कहा गया कि बच्ची को हर वो लग्जरी सुविधा दो, जो टॉप सिंगर्स को दी जाती है। उस बच्ची ने हुनर और गूंजती आवाज से वो कमाल दिखाया कि भारत की पहली प्लेबैक सिंगर बनीं और 'सैंया दिल में आना रेष्ठ', 'कजरा मोहब्बत वालाष्ठ.' और 'मुगल-ए-आजम' का मशहूर गाना 'तेरी महफिल में किस्मत आजमां कर हम भी देखेंगेष्ठ', जैसे 6 हजार गाने गाए। करीब 100 साल बाद भी उनके गाने सुने और रीमिक्स किए जाते हैं। उस बच्ची का नाम था शमशाद बेगम, जिनकी लेजेंड्री सिंगर लता मंगेशकर भी फैन थीं। जब लता नई-नई गायकी में आईं तो उन्हें शमशाद की तरह गाने की सलाह दी जाती थी। एक दौर वो भी आया जब किशोर कुमार जैसे लीजेंड्री सिंगर भी शमशाद की खिदमद में कुर्सी उठाए पीछे-पीछे चलते थे। जब सिंगर्स को एक गाने के लिए 100 रुपए फीस दी जाती थी, तब फिल्ममेकर्स शमशाद को 2000 रुपए फीस देने के लिए भी राजी हो जाया करते थे। पिता की शर्त में ताउम्र बुर्का पहनकर गाया। पाबंदी ऐसी कि जवानी के दिनों में कोई तस्वीर तक क्लिक नहीं करवाई। फिल्मों में हीरोइन बनने के बड़े मौके भी पिता के गुस्से के भेंट चढ़े। आज शमशाद बेगम की 107वीं बर्थ एनिवर्सरी है। इस खास मौके पर जानिए, हिंदी सिनेमा के इतिहास में गायकी की मिसाल शमशाद बेगम की समाजिक बेड़ियों से निकलकर इतिहास रचने की कहानी-बचपन में स्कूल और शादियों में गाने से हुनर को मिली पहचान जलियावाला हत्याकांड के ठीक एक दिन बाद 14 अप्रैल 1919 को शमशाद बेगम का जन्म ब्रिटिश इंडिया के लाहौर में हुआ। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि शमशाद का जन्म लाहौर नहीं बल्कि अमृतसर में हुआ। उनके पिता मियां हुसैन बख्श के मिस्त्री थे। उन्होंने तंगहाली में 8 बच्चों की परवरिश की। शमशाद महज 10 साल की थीं, जब उन्होंने शादियों में गाना शुरू कर दिया। नन्ही सी बच्ची की आवाज इतनी बुलंद थी कि हर बार उन्हें ही गाने के लिए बुलाया जाने लगा। कुछ रिश्तेदार खुद होकर एक आना दे दिया करते थे। एक दिन शमशाद ने स्कूल के प्रोग्राम में कोरस में गाना गाया। प्रिंसिपल आवाज सुनकर दंग रह गईं। उन्होंने पास बुलाकर कहा- देखना, एक दिन तुम परिवार का नाम रोशन करोगी। इसके बाद उन्हें स्कूल प्रेयर की हेड सिंगर बना दिया गया। 12 की उम्र में 2 लाइनें सुनकर बड़े म्यूजिक डायरेक्टर ने दिए 12 गाने- शमशाद की आवाज आस-पड़ोस में पहचान बना रही थी, लेकिन पिता मियां हुसैन इससे काफी चिढ़ते। उन्हें बेटी का गाना पसंद न था। रूढ़िवादी परिवार में गाना सुनना भी हराम था। घर में रेडियो तक नहीं था। लेकिन 1931 में उनके चाचा आमिर गजल, कव्वाली के बड़े फैन थे। एक रोज उन्होंने शमशाद को गाते सुना और उन्हें हुनर परखने में देर न लगी।

जैसे ही उन्हें पता चला कि लाहौर में जेनोफोन म्यूजिक कंपनी के ऑडिशन हो रहे हैं, वो परिवार से छिपकर शमशाद को अपने साथ ले गए। ऑडिशन में मशहूर सिगंर गुलाम हैदर, जो कंपनी के म्यूजिक डायरेक्टर थे ने 12 गानों का कॉन्ट्रैक्ट दिया। तय हुआ कि हर गाने के 12 रुपए मिलेंगे। घर लौटकर जब चाचा ने ये खबर पिता को दी, तो वो खूब नाराज हुए। नाराजगी चरम पर थी। लंबी बहस के बाद चाचा ने भाई मियां हुसैन को समझाया कि ये हुनर हर किसी में नहीं होता, अगर पूरी दुनिया गाना गा रही है तो तुम्हें क्यों ऐतराज है। आखिरकार वो मान गए, लेकिन शर्तों पर। शर्त कि शमशाद का चेहरा कोई न देखे, उन्हें हमेशा बुर्का पहनकर गाना होगा। वो कभी तस्वीर क्लिक न करवाएं और न ही उनकी पहचान दुनिया के सामने आए। गायकी के लिए उतावलीं शमशाद बेगम ने हर एक शर्त मानी और जेनोफोन म्यूजिक कंपनी के साथ जुड़ गईं। शमशाद बेगम के शुरुआती कुछ गाने बिना उनके नाम के रिलीज किए गए। आरती गाने पर उनकी जगह सिंगर का नाम उमा देवी लिखा जाता और पंजाबी गानों में सुरंदिर कौर। उस समय रिकॉर्डिंग कंपनियों का मानना था कि लोग अपने धर्म के लोगों के ही गाने सुनना पसंद करते थे। जेनोफोन का कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद उन्हें कंपनी की तरफ से 5000 रुपए दिए गए थे। जेनोफोन म्यूजिक कंपनी से कॉन्ट्रैक्ट पूरा होने के बाद उन्हें पेशावर रेडियो और फिर दिल्ली के एयर इंडिया रेडियो में काम मिल गया। उनके गाने और प्रोग्राम काफी हिट हुआ करते थे। परिवार के खिलाफ जाकर की हिंदू लड़के से शादी- साल 1932, शमशाद 13 साल की थीं, जब उनकी मुलाकात पड़ोस में रहने वाले वकालत के स्टूडेंट गणपत लाल बट्टो से हुई। दोनों की उम्र में बड़ा फासला था, लेकिन विचार जल्द ही एक होने लगे। शमशाद अक्सर चोरी-छिपे उनसे मिला करती थीं। ये वो दौर था, जब कम उम्र में ही शादी करवाने की कवायद थी, ऊपर से शमशाद का रूढ़िवादी परिवार। 13 की उम्र में ही उनके लिए लड़के देखे जाने लगे। एक रोज घरवालों तक शमशाद और गणपत लाल के रिश्ते की भनक लग गई। घर में हंगामा हुआ और लड़के देखने की गति बढ़ा दी गई। पिता की हर छोटी-बड़ी बात और शर्त मान लेने वाली शमशाद इस बार अड़ गईं। उन्होंने कह दिया कि वो गणपत से ही शादी करेंगी। घरवाले इस रिश्ते के खिलाफ रहे, लेकिन इसके बावजूद शमशाद ने महज 15 साल की उम्र में गणपत लाल बट्टो से 1935 में शादी कर ली। हीरोइन बनने का मिला ऑफर, पिता की सख्ती के चलते ठुकराया-साल 1937 में शमशाद बेगम के गानों की बदौलत उन्हें लाहौर के ऑल इंडिया रेडियो में काम मिला। उनके हर गाने और हर प्रोग्राम जबरदस्त हिट रहे। ये वो दौर था, जब फिल्में बनना शुरू हो चुकी थीं, लेकिन रिकॉर्डिंग और एडिटिंग की तकनीकें नहीं आई थीं। उस समय हीरो-हीरोइन अपने गाने खुद गाया करते थे। जब दलसुख पंचोली ने एक रोज रेडियो में शमशाद की आवाज सुनी तो उन्होंने तय कर लिया कि वो उन्हें अपनी फिल्म की हीरोइन बनाएंगे और उनकी आवाज में गाने भी डालेंगे। जबकि उन्होंने कभी शमशाद को असल में देखा तक नहीं था। उन्होंने ये ऑफर दिया, तो शमशाद ने भी हामी भर दी। शमशाद ने एक स्क्रीन टेस्ट भी दिया, जो सफल रहा। लेकिन जैसे ही ये बात उनके पिता तक पहुंची, उनका गुस्सा फट पड़ा। उन्होंने साफ कहा कि अगर उन्होंने ऐसी कोई ख्वाहिश पाली तो उनका गाना भी बंद करवा दिया जाएगा। उस दिन शमशाद ने गायकी को चुना और पिता से कहा कि वो वादा करती हैं कि कभी कैमरे के सामने नहीं आएंगी। वादे के मुताबिक, शमशाद हमेशा बुर्के में ही प्रोग्राम करती थीं। कुछ साथ काम करने वालों ने उन्हें देखा था, लेकिन उन्होंने कभी तस्वीर क्लिक नहीं करवाई। साल 1941 में रेडियो में शमशाद की आवाज सुनकर डायरेक्टर महबूब खान इतने इंप्रेस हुए कि उन्होंने शमशाद को बॉम्बे लाने का फैसला कर लिया। वो सीधे उनके लाहौर स्थित घर पहुंचे। पति के सामने बात रखी, तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया। इस पर महबूब खान ने कहा कि अगर शमशाद उनके साथ बॉम्बे आएंगी, तो बदले में वो उन्हें बंगला, गाड़ी और हर सामान के साथ नौकर भी देंगे। अगर शमशाद चाहें तो अपने साथ 3-4 लोग भी ला सकती हैं। पति राजी हो गए, लेकिन पिता फिर अड़ गए। इस पर महबूब खान ने उनसे कहा- 'आखिर कब तक बेटी को कुएं का मेंढ़क बनाए रखेंगे? इसे समुद्र में छोड़िए।' जब शमशाद ने खुद भी जाने का फैसला कर लिया, तो पिता को भी मानना ही पड़ा। भले ही शमशाद को महबूब खान बॉम्बे लाए, लेकिन उन्हें पहली बार फिल्मों में गाने का मौका गुलाम हैदर ने फिल्म खजानची (1941) दिया। इस फिल्म के लिए शमशाद को हर एक गाने के लिए 200 रुपए फीस दी जाने वाली थी, लेकिन वो इससे नाखुश थीं। एक दिन उन्होंने फीस बढ़ाने की बात कही। प्रोड्यूसर ने पूछा वो क्या उम्मीद करती हैं। जवाब मिला- 'हर गाने के लिए 700 रुपए।' प्रोड्यूसर ने हामी भरते हुए हंसकर कहा- 'अगर आप हर गाने के 2 हजार भी मांगतीं तो हम वो भी देते।' फीस बढ़ने पर जहां एक तरफ खुशी थी, दूसरी तरफ नाराजगी थी कि उन्होंने ज्यादा क्यों नहीं मांगे, लेकिन समय के साथ आगे खानदान (1942), तकदीर (1943), पूंजी, जमींदार जैसी फिल्में करते हुए उनकी फीस लगातार बढ़ती चली गई। उस दौर में जब हीरोइन खुद अपने गाने गाती थीं, तब शमशाद बेगम ने दूसरी एक्ट्रेसेस के लिए गाने रिकॉर्ड किए और इस तरह वो भारत की पहली प्लेबैक सिंगर बनीं। शमशाद बेगम के बाद और भी कई सिंगर्स हिंदी सिनेमा से जुड़ने लगीं। 40 के दशक में सुरैया, मुबारक बेगम पहचान बना चुकी थीं और आशा भोसले, लता मंगेशकर नई-नई आई थीं। लता मंगेशकर, शमशाद के कई गानों में कोरस सिंगर रही थीं। लता मंगेशकर पतली और सुरीली आवाज में गाती थीं, जबकि शमशाद की आवाज में खनक थी और भारीपन। तब लता से अक्सर कहा जाता था कि शमशाद की ही तरह गाओ। जब लता मंगेशकर को 1949 की फिल्म महल का गाना आएगा, आएगा, आनेवालाष्ठ, मिला तो उन्होंने इसे शमशाद की कॉपी करते हुए ही गाया था। इसी तरह आशा भोसले ने भी 1948 की फिल्म मुकद्दर का गाना आती है याद हमको भी.., शमशाद की स्टाइल में गाया। स्क्रीन मैगजीन को दिए एक पुराने इंटरव्यू में शमशाद बेगम ने गायकी के दिनों को याद कर कहा था, मैं कभी फिल्मी पार्टियों में नहीं जाती थी, लेकिन स्टूडियो में मेरी कई यादें हैं। फिल्मिस्तान स्टूडियो में रिकॉर्डिंग करती थी, तो दो युवा लड़के कोरस में काम करते थे। दोनों रिकॉर्डिंग के समय मेरी कुर्सी उठाए पीछे-पीछे चलते थे। एक लड़का सलीके वाला था और दूसरा अजीब सा दिखता, मजाक करता और खुद को नाकाम कहता था। बात करने पर खुद का मजाक उड़ाकर कहता था कि मेरे बड़े भाई बड़े अभिनेता हैं। लेकिन आवाज ऐसी थी कि कोरस में भी अलग सुनाई देती थी। मैं हमेशा उससे कहती थी कि देखना एक दिन तुम अपने भाइयों से भी बहुत आगे जाओगे। आगे वो अजीब सा लड़का संगीत जगत के सबसे महान सिंगर्स में शामिल हुआ, बताइए क्या कोई किशोर कुमार के बिना भारतीय संगीत की कल्पना कर सकता है।

समय के साथ किशोर कुमार इतने हिट हुए कि उन्हें शमशाद बेगम के साथ फिल्म अंगारे के गाने गोरी के नैनों में नींद भरी और नया अंदाज का गाना मेरी नींदों में तुम गाने का मौका मिला। कभी नौशाद भी थे ऑफिस बॉय, कई न्यूकमर्स के लिए गाए गाने-जिस समय शमशाद बेगम ऑल इंडिया रेडियो में गाती थीं, तब उनके ऑफिस बॉय नौशाद हुआ करते थे। उन्हें शमशाद की देखरेख और खिदमद का काम दिया गया था। जब नौशान ने कंपोजिशन शुरू किया और उन्हें पहली फिल्म मंगू मिली, तो वो इसके लिए सीधे शमशाद के पास ही गए। नौशाद नए थे, लेकिन शमशाद मान गईं और उनके लिए 'मोहब्बत दिल के बस इतने से अफसाने' और 'जरा प्यार कर ले बाबू' को आवाज दी। 1941 में एसडी बर्मन भी जब सिनेमा से जुड़े तो उन्होंने पहली बड़ी फिल्म बहार (1941) मिलने पर शमशाद से ही मदद मांगी। शमशाद ने फिल्म के लिए 'सैंया दिल में आना रे' गाना गाया, जो आज भी सुना जाता है। जब राज कपूर ने कहा- मैं इतनी फीस नहीं दे सकता-साल 1948 में आई फिल्म आग में राज कपूर, शमशाद की आवाज चाहते थे, लेकिन जब उन्हें पता चला कि उनकी फीस दूसरे सिंगर्स से 10 गुना ज्यादा है तो वो कतराने लगे। एक दिन हिम्मत कर राज कपूर, शमशाद के पास पहुंच गए। उन्होंने कहा- मैं चाहता हूं कि आप मेरी फिल्म आग में गाना गाएं, लेकिन मैं आपको इतनी फीस नहीं दे सकता। ये बेबाकी और जुनून शमशाद को भा गया। एक समय में वो राज कपूर के पिता पृथ्वीराज कपूर की फैन भी हुआ करती थीं। उन्होंने राज कपूर से कहा कि वो कम फीस में ही उनके लिए गाएंगी। पति की मौत से ऐसी बिखरीं कि लगा दिया सिंगिंग पर विराम-साल 1955 में शमशाद बेगम के पति गणपत लाल बट्टो का एक रोड एक्सीडेंट में निधन हो गया। पति की मौत के बाद शमशाद ने गायकी से दूरी बना ली। कई प्रोड्यूसर्स, कंपोजर ने शमशाद ने विनती की, लेकिन वो नहीं मानीं। शमशाद की गैरमौजूदगी में ही लता मंगेशकर को लगातार मौके मिलने लगे और स्टारडम मिला। साल 1957 में जब महबूब खान ने मदर इंडिया बनाना शुरू की, तो नरगिस की आवाज बनने के लिए शमशाद के अलावा किसी दूसरे सिंगर के बारे में नहीं सोचा। शमशाद गायकी छोड़ चुकी थीं, लेकिन महबूब खान भी उनसे गंवाने की जिद पर अड़े रहे। डेढ़ साल की मशक्कत के बाद आखिरकार शमशाद राजी हो ही गईं। 1957 में वो सफेद साड़ी पहनकर रिकॉर्डिंग स्टूडियो पहुंचीं। पहला गाना गाया, पी के घर आज प्यारी दुल्हनिया चली। गाना सुनते ही स्टूडियो में मौजूद हर कोई रो पड़ा। गाना खत्म करते करते उन्होंने गायकी छोड़ने की जिद भी खत्म कर दी। कहा- रोने के लिए सारा दिन, सारी रात है, मैं एक आर्टिस्ट हूं। फिल्म मदर इंडिया का गाना 'दुख भरे दिन बीते रे भैया', 'होली आई रे', 'पी के घर आज प्यारी दुल्हनिया चली' हिट रहे। आगे उन्होंने हावड़ा ब्रिज, जाली नोट, लव इन शिमला, और मुगल-ए-आजम जैसी सुपरहिट फिल्मों को आवाज दी। फिल्म मुगल-ए-आजम का गाना तेरी महफिल में किस्मत आजमां कर हम भी देखेंगेष्ठ, शमशाद बेगम ने लता मंगेशकर के साथ गाया था। शमशाद ने निगार सुल्ताना को आवाज दी, जबकि लता मंगेशकर मधुबाला की आवाज बनीं। 1965 में शमशाद ने हमेशा के लिए फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। हालांकि कुछ कंपोजर्स की जिद पर उन्होंने चंद फिल्मों में आवाज दी। रिटायरमेंट के बाद 1968 की फिल्म किस्मत का गाना कजरा मोहब्बत वाला जबरदस्त हिट रहा था। बेटी को नहीं दी गायकी की इजाजत-गायकी छोड़ने के बाद शमशाद बेटी ऊषा और दामाद लेफ्टिनेंट कर्नल योगेश रात्रा के साथ मुंबई में रहने लगीं। शमशाद बेगम की इकलौती बेटी ऊषा भी सिंगर बनना चाहती थीं, लेकिन शमशाद ताउम्र इसके खिलाफ रहीं। उनका मानना था कि फिल्म इंडस्ट्री में बहुत राजनीति बढ़ चुकी है। 1998 में खबर आई कि सिंगर शमशाद बेगम गुजर गईं। फिर 2004 में खबर आई कि जिसे 1998 में लोगों ने मरा हुआ मान लिया था, वो शमशाद अभी जिंदा है। पहले जिस शमशाद बेगम का इंतकाल हुआ था, वो सायरा बानो की दादी थीं।

आखिरकार 23 अप्रैल 2012 में लेजेंड्री सिंगर शमशाद बेगम का 94 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी मौत की खबर कम लोगों को ही दी गई। वैसे तो शमशाद बेगम मुस्लिम थीं, लेकिन उनकी आखिरी इच्छा थी कि उनका अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाजों से किया जाए। (नोट- ये कहानी शमशाद बेगम के राइटर गजेंद्र खन्ना को दिए गए इंटरव्यू, स्क्रीन को दिए गए इंटरव्यू और रिसर्च के आधार पर लिखी गई है।)

लता मंगेशकर-आशा भोसले की याद में बनेगा अस्पताल,पुणे में एशिया का सबसे बड़ा हॉस्पिटल बनाने की कोशिश कर रहे हैं-भाई हृदयनाथ

मुंबई। सिंगर लता मंगेशकर और आशा भोसले की याद में अस्पताल को बनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उस समय आशा भोसले दोनों के नाम पर बनाया जाएगा। वो इसे एशिया

पुणे में एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाया जाएगा। दोनों सिंगर्स के भाई और म्यूजिक डायरेक्टर हृदयनाथ मंगेशकर ने सोमवार को यह जानकारी दी। हृदयनाथ मंगेशकर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुणे में उनकी मां और लता मंगेशकर ने गरीबों की सेवा के लिए अस्पताल बनाने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि करीब 25 साल पहले परिवार और डॉक्टरों ने इस यह पूरा नहीं हो सका। हृदयनाथ ने कहा कि बाद में परिवार ने फैसला लिया था कि अस्पताल लता मंगेशकर के नाम पर बनाया जाएगा और इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई थीं। 16 तारीख के दिन इसके मुहूर्त की योजना थी, लेकिन इसी बीच अचानक आशा भोसले का निधन हो गया। उन्होंने कहा कि अब परिवार ने तय किया है कि अस्पताल लता मंगेशकर और का सबसे बड़ा अस्पताल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। आशा भोसले का निधन-आशा भोसले का रविवार को 92 साल की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। सोमवार को उनका राजकीय सम्मान के साथ शिवाजी पार्क श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार हुआ। उन्हें महाराष्ट्र पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। अंतिम संस्कार में आमिर खान, विक्की कौशल, अनु मलिक, शान समेत कई सेलेब्स श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

'धुरंधर' के दोनों पार्ट ने वर्ल्डवाइड रु3000 करोड़ कमाए,पहले पार्ट ने रु1307 करोड़, दूसरे ने रु1718 करोड़ कमाए

मुंबई। रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर और धुरंधर 2 ने मिलकर दुनियाभर में 3,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इसके बाद यह 3,000 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाने वाली पहली भारतीय फिल्म फ्रेंचाइजी बन गई है। जब किसी एक फिल्म की सफलता के बाद उसके एक से ज्यादा पार्ट बनाए जाते हैं तो वह एक फ्रेंचाइजी का रूप ले लेती है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, धुरंधर 2 का इंडिया नेट कलेक्शन रु1,088.62 करोड़ और इंडिया ग्रॉस रु1,303.37 करोड़ हो चुका है। ओवरसीज में फिल्म ने रु415.25 करोड़ की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन रु1,718.62 करोड़ पहुंच गया है। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है।5 दिसंबर 2025 में रिलीज हुई धुरंधर ने दुनियाभर में करीब रु1,307.35 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं, 19 मार्च 2026 में रिलीज हुए इसके सीक्वल धुरंधर 2 ने महज 26 दिनों के भीतर करीब रु1,718.62 करोड़ की कमाई कर ली।

आंखों की रोशनी बढ़ाएं,रेगुलर करें ये 8 आई एक्सरसाइज डाइट में शामिल करें ये हेल्दी चीजें, न करें 8 गलतियां

मौजूदा वक्त में मोबाइल, लैपटॉप और टीवी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं।ये चीजें जिंदगी में इस कदर हावी हो गई हैं कि हम अपनी नींद भी पूरी नहीं कर पाते हैं। इसका सीधा असर आंखों पर पड़ता है। नतीजतन आंखों की

रोशनी कम हो रही है। उम्र के साथ नजर कमजोर होना

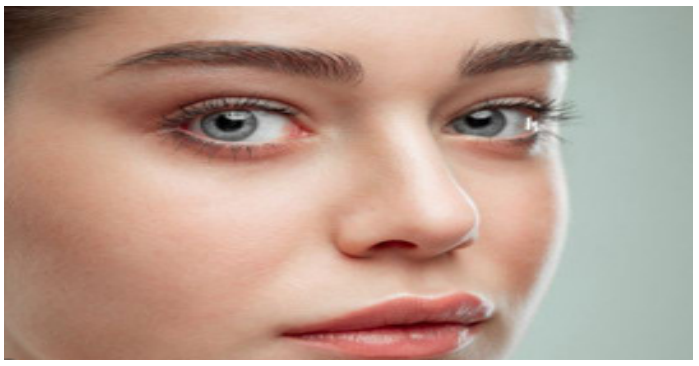

कॉमन है, लेकिन बच्चों और युवाओं में ये समस्या चिंता का विषय है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आंखों की रोशनी फिर से बढ़ सकती है। क्या इसका कोई नेचुरल तरीका हो सकता है। विषय

को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. दिग्विजय सिंह, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- उम्र के साथ स्वाभाविक ढंग से आंखों की रोशनी कम होती है। लेकिन क्या उम्र के अलावा खराब लाइफस्टाइल और आदतों से भी आंखों की रोशनी कमजोर हो सकती है? जवाब- एजिंग के अलावा खराब लाइफस्टाइल भी आंखों की रोशनी को प्रभावित करती है। जैसेकि-पोषण की कमी (खासकर विटामिन ए,सी और ओमेगा-3) से नजर कमजोर हो सकती है। लंबे समय तक मोबाइल, कंप्यूटर या टीवी स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव बढ़ता है। नींद पूरी न होने और लगातार आंखों के बहुत थकने से भी नुकसान हो सकता है। स्मोकिंग, धूल-धुएं और तेज रोशनी के संपर्क में रहने से भी आंखों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कम रोशनी में पढ़ने या बारीक काम करने से नजर कमजोर हो सकती है। अंधेरे कमरे में ब्राइट लाइट वाली स्क्रीन (टीवी, मोबाइल, आईपैड, लैपटॉप) देखने से नजर कमजोर हो सकती है।सवाल- क्या आंखों की रोशनी बढ़ाई भी जा सकती है? जवाब- आंखों की रोशनी पूरी तरह बढ़ाना संभव नहीं है, लेकिन इसे बेहतर किया जा सकता है। हेल्दी और संतुलित डाइट आंखों को सपोर्ट करती है। साथ सही लाइफस्टाइल से आंखों की रोशनी को लंबे समय तक हेल्दी रखा जा सकता है। सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- इसके लिए हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना सबसे जरूरी है, जैसेकि- डाइट में विटामिन, मिनरल से भरपूर चीजें जैसे गाजर, पालक, ब्रॉकली और खट्टे फल जैसे पोषक तत्व रेटिना को ब्लू लाइट से होने वाले

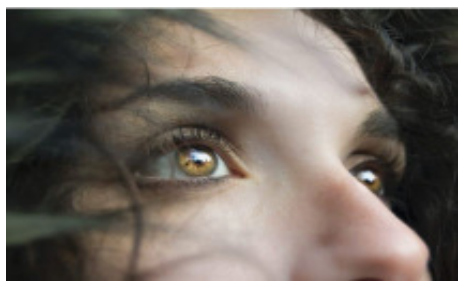

शामिल करें।लगातार लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप देखने से बचें। बीच-बीच में आंखों को आराम दें। धूप में बाहर निकलते समय यूवी (अल्ट्रा वॉयलेट) प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस पहनें। ये आंखों को नुकसान से बचाते हैं। नियमित एक्सरसाइज करें और वेट मेंटेन रखें। डायबिटीज कंट्रोल में रखें। समय-समय पर आई-चेकअप करवाते रहें।सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए कौन-सी एक्सरसाइज करनी चाहिए? जवाब- आंखों की एक्सरसाइज करने से आई-मसल्स रिलैक्स होती हैं और तनाव कम होता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने वालों के लिए नियमित ब्रेक और आई एक्सरसाइज फायदेमंद होती है। पामिंग (आंखों पर हथेली रखकर आराम करना) करने से आंखों को आराम मिलता है और थकान कम होती है। ब्लिंकिंग एक्सरसाइज (जल्दी-जल्दी पलकें झपकाना) से आंखों में नमी बनी रहती है और ड्राईनेस कम होती है। आई-फोकस बदलने की एक्सरसाइज से आंखों की फोकस करने की क्षमता बेहतर होती है।हालांकि, एक्सरसाइज से आंखों की रोशनी पूरी तरह नहीं लौटती, लेकिन आई स्ट्रेन और थकान जरूर कम होती है।सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए हमारी डाइट कैसी होनी चाहिए? जवाब- आई हेल्थ के लिए विटामिन ए,सी, ई जिंक और ओमेगा-3 फैटी एसिड बेहद महत्वपूर्ण हैं। डिटेल पॉइंटर्स से समझें- विटामिन ए रेटिना को स्वस्थ रखता है। इससे विजन क्लियर होता है। एंटीऑक्सिडेंट आंखों को उम्र से जुड़ी समस्याओं से बचाता है। ल्यूटिन और जीएक्सैंथिन नुकसान से बचाते हैं। डेली डाइट में हरी सब्जियां, रंग-बिरंगे फल, नट्स और हेल्दी फैट शामिल करना फायदेमंद है। संतुलित और पौष्टिक डाइट से आंखों की रोशनी लंबे समय तक अच्छी बनी रह सकती है।

सवाल- किन विटामिन्स की कमी से आंखों की रोशनी कमजोर होती है? उन विटामिन्स को फूड में कैसे शामिल करें? जवाब- इसके लिए कई विटामिन जरूरी होते हैं- विटामिन ए की कमी से 'नाइट ब्लाइंडनेस' और 'ड्राई आई' की समस्या हो सकती है। इसे पूरा करने के लिए गाजर, शकरकंद, पालक और कद्दू खाएं। विटामिन सी की कमी से आंखों में ऑक्सिडेटिव डैमेज बढ़ सकता है। इसके लिए डाइट में संतरा, आंवला, नींबू और स्ट्रॉबेरी शामिल करें।

विटामिन ई की कमी से रेटिना की सेल्स डैमेज हो सकती हैं। इसके लिए बादाम, सूरजमुखी के बीज और मूंगफली अच्छे सोर्स हैं। जिंक की कमी होने पर रेटिना तक विटामिन ए नहीं पहुंच पाता है। इसके लिए कद्दू के बीज, सभी प्रकार की दालें और मोटे अनाज खाएं।

सवाल- क्या आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए सप्लीमेंट्स लेना सही है? जवाब- अगर डाइट संतुलित है, तो आमतौर पर सप्लीमेंट्स

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।